जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 185 प्रभात कोटा, सोमवार 20 अप्रैल, 2026 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बंगाल में भाजपा ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मुख्य मुद्दा बनाया

भाजपा नेताओं ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन्स नैक) की सुरक्षा को मजबूती से उठाया

■ प्रधानमंत्री ने सिलीगुड़ी की एक जनसभा में तृणमूल कांग्रेस पर सिलीगुड़ी कॉरिडोर को भारत से अलग करने की धमकी देने वालों का समर्थन करने का आरोप लगाया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित, सभी शीर्ष भाजपा नेताओं के भाषणों में एक साझा विषय राष्ट्रीय सुरक्षा, घुसपैठ और राज्य के उत्तर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे "चिकन्स नैक" भी कहा जाता है, रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह संदेश स्थानीय लोगों के बीच भी प्रभावी रहा है, जिनके लिए बांग्लादेश से घुसपैठ एक बढ़ता हुआ मुद्दा बन रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिलीगुड़ी की रैली में अपने भाषण में कहा, हमारा सिलीगुड़ी भारत की सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश द्वारों में से एक है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर मातृभूमि भारत के लिए अति आवश्यक है। मैं आपको तृणमूल कांग्रेस की गलतियों का उदाहरण देना चाहता हूं, जब राष्ट्र की सुरक्षा की बात आती है। देश में एक टुकड़े-टुकड़े गैंग है। इस गैंग ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर से संबंधित धमकी दी थी। उन्होंने उत्तर-पूर्व को देश से अलग करने की बात की है। अपनी तुष्टिकरण नीति को आगे बढ़ाने के लिए, तृणमूल कांग्रेस ऐसे लोगों का समर्थन सड़कों और संसद में करती है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, भाजपा के लिए, सिलीगुड़ी कॉरिडोर राष्ट्रीय सुरक्षा और समृद्धि का मार्ग है। और हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस जगह को मजबूत बनाया जाए। सेवोक-रंगपो रेलवे लिंक इसका एक उदाहरण है। इस परियोजना से सिक्किम सिलीगुड़ी और देश के रेलवे नेटवर्क से जुड़ जाएगा। इस पर कार्य तेजी से प्रगति पर है। यह परियोजना कनेक्टिविटी को सुधारने और व्यापार और पर्यटन को बढ़ाने में मदद करेगी। सिलीगुड़ी कॉरिडोर या चिकन नेक घुसपैठ के संदर्भ में एक संवेदनशील क्षेत्र है। क्षेत्र के स्थानीय लोग बांग्लादेश से घुसपैठ की शिकायत करते हैं। यह कहते हुए कि घुसपैठ करने वाले पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र के संसाधनों पर दबाव डालते हैं, जो कई अंतरराष्ट्रीय नदियों का घर है। यह रणनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। इसलिए, सरकार इस क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहती है।

भाजपा का आरोप है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने सीमा पर बाड़ लगाने के लिए भूमि सौंपने में देरी की है।

पूर्व विदेश सचिव और राज्यसभा सदस्य हर्षवर्धन श्रिंगला ने कहा, "सिलीगुड़ी कॉरिडोर वह भूमि खंड है, जो हमारे देश के उत्तर-पूर्व को भारत के शेष हिस्से से जोड़ता है। यह 22 किलोमीटर की बहुत संकरी पट्टी है। दार्जलिंग निर्वाचन क्षेत्र दुनिया का शायद एकमात्र निर्वाचन क्षेत्र है, जिसमें तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ हैं। यह पश्चिम में नेपाल, पूर्व में भूटान और दक्षिण में बांग्लादेश से जुड़ा है। अगर आप थोड़ा उत्तर की ओर जाएं, तो आप चीन की सीमा तक भी पहुँच जायेंगे। इस प्रकार यह हमारे देश का बहुत संवेदनशील हिस्सा है, और यहां सुरक्षा-संबंधी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं, जो रणनीतिक स्थिति के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। घुसपैठ और अन्य सुरक्षा-संबंधी मुद्दे चुनावी नैरेटिव में भी अहम भूमिका निभाते हैं।"

ईरान ने वार्ता के लिए पाकिस्तान जाने से मना किया

तेहरान/वॉशिंगटन, 19 अप्रैल। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली दूसरे दौर की शांति वार्ता पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जहां एक और ट्रंप ने ईरान को डील करने के लिए आखिरी धमकी दे डाली है, तो वही नाकाबंदी से खफा ईरान वार्ता से पीछे हटने की धमकी दे रहा है। बता दें कि दूसरे दौर की भी वार्ता इस्लामाबाद में होनी है, लेकिन वार्ता से पहले कई पेच फंस गए हैं।

■ ट्रंप ने कहा कि सोमवार को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पास जहाजों पर गोलीबारी करके ईरान ने दोनों देशों के बीच हुए युद्धविराम का पूर्ण उल्लंघन किया है। लेकिन उन्होंने कहा, इसके बावजूद इस्लामाबाद में मंगलवार को होने वाली शांति वार्ता के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सोमवार को रवाना होगा। उन्होंने धमकी दी कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस बार सबसे कठिन चुनावी मुकाबले का सामना कर रही हैं ममता बनर्जी

सत्ता विरोधी लहर के साथ भारी भ्रष्टाचार के आरोप और भाजपा की ताकत ने उनके लिए भारी चुनौतियां पैदा कर दी हैं

■ लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि ममता का अब तक का राजनैतिक सफर दर्शाता है कि जब वे मुश्किल मुकाबले में होती हैं तो बेहद साहसी और आक्रामक हो जाती हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रेल। बंगाल उच्च-स्तरीय चुनाव के लिये तैयार हो रहा है, वहीं, बहुत से लोगों का मानना है कि इस बार ममता बनर्जी को कांटे की टक्कर का सामना करना पड़ेगा। तृणमूल कांग्रेस की संस्थापिका 71 वर्षीय ममता बनर्जी तीन कार्यकाल से मुख्यमंत्री हैं।

उनकी पार्टी को एंटी-इंकम्बेंसी (सत्ता-विरोध) और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा सत्ता परिवर्तन की हर संभव कोशिश कर रही है और विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) ने अनिश्चितता और भ्रम को और बढ़ा दिया है। लेकिन ममता का राजनीतिक सफर यह दर्शाता है कि जब उन्हें कठिन लड़ाई का सामना करना पड़ता है, तो वे बहुत ज़्यादा साहसी और आक्रामक होती हैं।

बनर्जी जब 17 साल की थीं, तब उनके पिता, प्रोमिलेश्वर बनर्जी, का निधन हो गया। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि उनके पिता का निधन इलाज की कमी के कारण हुआ और परिवार मेडिकल बिलों का भुगतान नहीं कर सका, क्योंकि सरकारी विभाग उनके पिता, जो एक ठेकेदार थे, के बकाया भुगतान को मंजूरी नहीं दे रहे थे। उनके पिता की मृत्यु के अगले दिन हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित बनर्जी के घर एक चेक के रूप में 60,000 रुपये पहुँचे। उन्होंने 2012 में "आउटलुक" को दिये इस इन्टरव्यू में बताया, "चेक बेकार था; यह मेरे पिता को वापस नहीं ला सकता था। केवल भगवान ही हमारे दर्द और बाबा के जाने के बाद के हमारे संघर्ष का साक्षी है।"

कॉलेज छात्रा के रूप में, बनर्जी का जीवन अपने साथियों से अलग था। वे सुबह-सवेरे उठकर अपने पाँच भाई-बहनों और मां के लिए खाना बनाती थीं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हम युद्ध नहीं चाहते, आत्मरक्षा में कदम उठा रहे हैं- ईरानी राष्ट्रपति

उन्होंने कहा कि ट्रंप ईरान को न्यूक्लियर अधिकारों से वंचित नहीं कर सकते

■ राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इज़रायल ने ईरान के नागरिक ढाँचों को निशाना बनाया, जो अंतर्राष्ट्रीय कानून तथा मानवाधिकार का उल्लंघन है।

तेहरान, 19 अप्रैल। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने स्पष्ट किया है कि उनका देश किसी भी तरह के युद्ध का पक्षधर नहीं है और मौजूदा हालात में केवल आत्मरक्षा के तहत कदम उठा रहा है। ईरानी स्टूडेंट न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पेजेश्कियन ने कहा कि ईरान ने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया है और न ही उसका ऐसा कोई इरादा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखना तेहरान की प्राथमिकता है।

राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने अमेरिका और इज़रायल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों देशों ने नागरिक ढांचों को निशाना बनाया है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उन्होंने इसे मानवाधिकारों पर दोहरे मापदंड का उदाहरण बताया। पेजेश्कियन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की, उन्होंने कहा कि ट्रंप के पास ईरान को उसके परमाणु अधिकारों से वंचित करने का कोई ठोस कारण नहीं है।

उन्होंने कहा, 'ट्रंप कहते हैं कि ईरान अपने न्यूक्लियर अधिकारों का इस्तेमाल नहीं कर सकता, लेकिन वे यह नहीं बताते कि किस जुर्म के लिए। वे कौन होते हैं किसी देश को उसके अधिकारों से वंचित करने वाले?

रिपोर्ट के मुताबिक, वाशिंगटन और तेहरान के बीच परमाणु मुद्दे को लेकर तनाव बना हुआ है। इसी बीच ईरान के शीर्ष नेतृत्व ने अपने रुख को दोहराते हुए कहा है कि देश अंतरराष्ट्रीय नियमों के दायरे में रहकर अपने अधिकारों की रक्षा करेगा।

वहीं ईरान के मुख्य वार्ताकार और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बघेर कालिबाफ ने भी कहा कि उनका देश स्थायी शांति चाहता है। एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने अमेरिका पर अविश्वास जताते हुए कहा कि ईरान की नीयत स्पष्ट है और वह ऐसी स्थिति चाहता है, जहां भविष्य में युद्ध की आशंका न रहे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका पर भरोसे की कमी है, लेकिन हम स्थायी शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपको बता दें कि इस्लामाबाद में पहले दौर की वार्ता के वक्त भी ऐसा ही हुआ था और ईरान ने कहा था कि उसे अमेरिका की बातों पर विश्वास नहीं है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी बाँग्लादेश में उच्चायुक्त बने

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। भारत सरकार ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का नया उच्चायुक्त नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को भारत-बांग्लादेश संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

■ वे लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस से जुड़े थे, फिर भाजपा में शामिल हो गए। उनके पास प्रशासन व राजनीति का लंबा अनुभव है।

दिनेश त्रिवेदी एक वरिष्ठ राजनेता हैं, जो केन्द्र सरकार में रेल मंत्री रह चुके हैं। वे लंबे समय तक तृणमूल कांग्रेस से जुड़े रहे और बाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए। उनके पास प्रशासन और राजनीति का लंबा अनुभव है, जिसे इस नई भूमिका में उपयोगी माना जा रहा है।

बांग्लादेश भारत का एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका बंदरगाहों की घेराबंदी खत्म करे, तब होर्मुज़ खुलेगा- ईरान

दूसरी ओर ट्रंप ने कहा कि जब तक समझौता नहीं हो जाता, नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी

■ ईरान का कहना है कि लेबनान में संघर्ष विराम के बाद होर्मुज़ से सुरक्षित आवाजाही की घोषणा की थी, पर अमेरिका ने यह कह कर बाधा डाली कि मार्ग तो खुला है, पर ईरानियों के लिए नहीं। यह बात हमें चुभ गई।

तेहरान/वाशिंगटन/बेरूत, 19 अप्रैल। होर्मुज़ स्ट्रेट को लेकर गहराया संकट निकट भविष्य में हल होता नहीं दिख रहा। दुनिया ईरान और अमेरिका से जल्द ही इस मसले को सुलझाने की अपील करते-करते हार चुकी है। दूसरे दौर की बातचीत के करीब आते, दोनों देशों के बीच अविश्वास और मतभेदों का दायरा और बढ़ गया है। ईरान ने काफी हद तक अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। ईरान ने बिना लाग लपेट के कहा कि वह होर्मुज़ स्ट्रेट को तभी खोलेगा, जब अमेरिका की सेना उसके बंदरगाहों की घेराबंदी खत्म कर लौट जाएगी।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के उप विदेशमंत्री सईद खतीबजादेह ने कहा कि अमेरिका के साथ आमने-सामने की बातचीत के नए दौर के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने हठधर्मिता के लिए वाशिंगटन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने साफ किया कि अगर अमेरिका चाहता है कि होर्मुज़ स्ट्रेट खुले तो उसे सबसे पहले हमारे बंदरगाहों की घेराबंदी खत्मकर सेना को लौटने का आदेश देना होगा।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि जब तक समझौता नहीं होगा, तब तक ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन तेहरान के किसी भी तरह के दबाव में नहीं आएगा। खतीबजादेह ने तुर्किये के अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम में पत्रकारों से कहा है कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच अगले दौर की बातचीत के लिए कोई भी तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा, अभी तक हम आपसी समझ का ढांचा तय करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस पर सफलता मिलने पर अगले कदमों की घोषणा होगी। अगर अमेरिका अतिवादी रवैया न अपनाता तो समझौता काफी पहले हो जाता।

उन्होंने कहा, ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में ही अमेरिका से कोई समझौता करेगा। परमाणु अप्रसार संधि और अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी सदस्य होने के नाते ईरान की कुछ जिम्मेदारियां हैं और कुछ अधिकार भी हैं। ईरान अपने अधिकारों का हकदार है। लेबनान में संघर्ष विराम के बाद हमने कहा कि होर्मुज से अब सुरक्षित आवाजाही होगी। मगर इसमें अमेरिका ने बाधा डाल दी।

उसने कहा दिया यह मार्ग खुला तो है, लेकिन ईरानियों के लिए नहीं। यही बात हमें चुभ गई। और दुर्भाग्य से वह अभी भी बातचीत के जरिए कूटनीतिक तमाशे की कोशिश कर रहा है।

ईरानी संसद के अध्यक्ष ने शनिवार रात कहा कि अमेरिका के साथ शांति वार्ता में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन दोनों पक्ष अभी भी समझौते से कोसों दूर हैं। मोहम्मद बाघर ग़ालिबाफ ने राष्ट्रीय संबोधन में कहा, "हम अभी भी अंतिम चर्चा से काफी दूर हैं।" ईरान की सेना शनिवार को घोषणा कर चुकी है, उसने होर्मुज़ स्ट्रेट पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है। उसने चेतावनी दी कि जब तक ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका की नाकेबंदी जारी रहेगी, तब तक वह इस जलमार्ग से आवाजाही को रोकता रहेगा। ब्रिटिश सेना ने इस दौरान कहा कि दो ईरानी गनबोटों ने जलडमरूमध्य में एक टैंकर पर गोलीबारी की। भारत ने भी पुष्टि की कि ईरान के हमलों में उसके दो जहाजों को निशाना बनाया गया।

मोदी ने सड़क किनारे दुकान पर बच्चों को झालमूड़ी खिलाई

कोलकाता, 19 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक अलग और सहज अंदाज झाड़ग्राम में देखने को मिला। चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद एसपीजी की भारी सुरक्षा तोड़ प्रोटोकॉल से बाहर निकल कर प्रधानमंत्री मोदी अचानक सड़क किनारे स्थित एक दुकान पर रुक गए। इस दौरान उन्होंने झालमुड़ी (चावल का भुज्जा जो तेल प्याज और मिर्ची मिलाकर बनाया जाता है) का

■ चुनाव सभा के बाद हेलीकॉप्टर की ओर जाते समय मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़ झालमूड़ी की दुकान पर काफिला रुकवाया

स्वाद लिया, बच्चों और महिलाओं को खिलाया। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री के अचानक रुकने से सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मी भी कुछ क्षणों के लिए चौंक गए, जबकि स्थानीय लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल में कई चुनावी सभाओं को संबोधित करने पहुंचे थे। झाड़ग्राम में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेरा के तहत पंजीकृत नहीं कराने पर न्यू वर्ल्ड जयपुर रिसोर्ट पर 50 लाख की पेनल्टी

प्रोजेक्ट डेवलपर किमाया रिजॉट्स को विला खरीदार के 19.60 लाख ब्याज समेत लौटाने के आदेश भी दिए रेरा ने

■ रेरा ने शिकायतकर्ता अर्जुन सिंह के वकील आतिशे जैन के इस तर्क को स्वीकारा कि किमाया रिजॉर्ट्स दरअसल अलग-अलग यूनिट ही बेच रही थी और उन बेची गई यूनिट्स को "लीज़बैक" (यानी किराए पर वापस लेने) का समझौता कर रही थी, परंतु इस व्यवस्था को अपनाकर वह रेरा कानून के नियमों से बच नहीं सकती है।

■ आतिशे की ओर से कहा गया कि किमाया रेवेन्यू शेयरिंग का मॉडल अपना रही थी, परंतु अलग-अलग यूनिट बेचे जाने की "सेल डीड" में निवेशकों को खरीदार ही बताया गया है और इन "डीड" में स्टैंप ड्यूटी प्रॉपर्टी बेचने के लिए ही भरी गई है न कि लीज़ करने के लिए।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुरः रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) राजस्थान, ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि रिसोर्ट और होटल के निर्माणकार्य करने वाला व्यवसाई अगर कोई विला/यूनिट किसी भी खरीदार को शाश्वत पट्टा एकीकरण (पी एल एल ए) समझौता के तहत बेचता है तो उसे ऐसे प्रोजेक्ट्स को रेरा के अंतर्गत पंजीकृत कराना आवश्यक है। और जिन खरीदारों को यह प्रोजेक्ट्स बेचे गए हैं, उन्हें आवंटी घोषित करना होगा। रेरा ने इस मामले में बिल्डर/डेवलपर किमाया रिजॉर्ट्स पर 50 लाख रुपए की अतिरिक्त पेनल्टी भी लगाई है, क्योंकि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को रेरा के अंतर्गत पंजीकृत नहीं कराया। आदेश में आगे कहा गया है कि किमाया रिजॉर्ट्स "न्यू वर्ल्ड जयपुर रिसोर्ट" का पंजीकरण तुरंत कराए।

रेरा के समक्ष दायर एक शिकायत में सामने आया कि किमाया रिजॉर्ट्स एंड स्पा एल एल पी ने अनुज सिंह को "रेवेन्यू शेयरिंग" मॉडल के आधार पर न्यू वर्ल्ड जयपुर रिसॉर्ट प्रोजेक्ट में पूल्ड-सर्विस विला में निवेश करने के लिए अवसर दिया था। अर्जुन सिंह और उनके उत्तराधिकारियों ने दो अलग अलग निवेश, जो दिसंबर 2022 और फरवरी 2023 में किये गए थे, में कुल 19.60 लाख रुपए निवेश किया था। उन्हें किमाया रिजॉर्ट्स की ओर से आश्वासन दिया गया था कि 1 अप्रेल 2023 तक विला का कब्जा दे दिया जाएगा, परन्तु अर्जुन सिंह और उनके उत्तराधिकारियों के द्वारा इतना बड़ा निवेश करने के बाद भी डेवलपर किमाया रिजॉर्ट्स ने उन्हें न तो जरूरी दस्तावेज भेजे और न ही प्रोजेक्ट का कब्जा दिया। इसके बाद 31 मई 2024 को अर्जुन सिंह के वकील आतिशे जैन ने डेवलपर किमाया रिजॉर्ट्स को पूरी राशि रिफंड करने के संबंध में नोटिस भेजा। परंतु इस नोटिस का कोई भी जवाब नहीं मिलने पर शिकायतकर्ता को रेरा का दरवाजा खटखटाना ही पड़ा।

सुनवाई के दौरान, किमाया रिजॉर्ट्स की ओर से कहा गया कि यह मामला रेरा के कार्यक्षेत्र के बाहर है, क्योंकि किमाया रिजॉर्ट्स हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में कार्य करते हैं, न कि रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में। उन्होंने कहा कि उनके प्रोजेक्ट्स में अर्जुन सिंह एक निवेशक थे जो "रेवेन्यू शेयरिंग" मॉडल के आधार पर निवेश करने आए थे। उन्होंने कहा कि अर्जुन सिंह किसी भी सूरत में एक आवंटी नहीं थे, जिन्हें किमाया रिजॉर्ट्स ने कोई मकान या यूनिट बेची थी।

रेरा ने शिकायतकर्ता अर्जुन सिंह के वकील आतिशे जैन के तर्क को स्वीकारा कि किमाया रिजॉर्ट्स दरहसल अलग अलग यूनिट ही बेच रही थी और उन बेची गई यूनिट्स को "लीज़बैक" (यानी किराए पर वापस लेने) का समझौता कर रही थी, परंतु इस व्यवस्था को अपनाकर वह रेरा कानून के नियमों से बच नहीं सकती है। आतिशे की ओर से कहा गया कि किमाया रेवेन्यू शेयरिंग का मॉडल अपना रही थी परंतु अलग अलग यूनिट बेचे जाने की "सेल डीड" में निवेशकों को खरीदार ही बताया गया है और इन "डीड" में स्टैंप ड्यूटी प्रॉपर्टी बेचने के लिए ही भरी गई है, न कि लीज़ करने के लिए।

रेरा ने सभी तर्कों को सुनने के बाद आदेश दिए कि किमाया रिजॉर्ट्स शिकायतकर्ताओं को 10.8 प्रति वर्ष की दर पर ब्याज लगाकर 19.60 लाख रुपए ब्याज समेत लौटाए । रेरा ने किमाया रिजॉर्ट्स पर 50 लाख रुपए की अतिरिक्त पेनल्टी भी लगाई है, क्योंकि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को रेरा के अंतर्गत पंजीकृत नहीं कराया और आदेश दिए कि किमाया रिजॉर्ट्स "न्यू वर्ल्ड जयपुर रिसोर्ट" का पंजीकरण तुरंत कराए।

उत्साहित विपक्ष फिर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग लाने के मूड में

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। लंबी बहस और मतभेदों के बीच शुक्रवार को संविधान का 131वां संशोधन बिल लोकसभा में गिर गया। यह बिल महिला आरक्षण कानून में संशोधन लाने के लिए लाया गया था।

कुल मिलाकर महिला आरक्षण कानून पास नहीं हो पाया। इसे लेकर राजनीतिक घमासान तेज है। संसद में इस जीत से उत्साहित विपक्ष एक और अहम फैसला लेने की तैयारी कर रहा है। विपक्षी दल सीईसी के खिलाफ फिर से महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना बना रहे हैं।

■ इंडिया गठबंधन की प्रमुख पार्टियाँ महाभियोग का संभावित मसौदा तैयार करने में जुट गई बताते हैं।

कांग्रेस एवं टीएमसी समेत, विपक्षी पार्टियां संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कर्मों की आवाज़ शब्दों से ऊंची होती है। –कहावत

चिकित्सा सेवाएं वेंटिलेटर पर!

राजस्थान में (ये पंक्तियां लिखी जाने तक) ज़ारी निजी अस्पतालों की हड़ताल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि हमारे यहाँ स्वास्थ्य सेवा केवल इलाज का साधन नहीं, बल्कि समय-समय पर आयोजित होने वाला एक सामूहिक नाटक भी है। एक ऐसा नाटक जिसमें किरदार तय हैं, संवाद तय हैं, और अंत भी लगभग तय ही होता है। फर्क बस इतना है कि इस नाटक का टिकट हमेशा मरीज को ही खरीदना पड़ता है, और वह भी अपनी जेब से नहीं, अपने धैर्य और कभी-कभी अपनी जान से भी।

जयपुर में एक डॉक्टर की गिरफ्तारी हुई। उन पर गम्भीर आर्थिक अनियमितता का आरोप था। डॉक्टरों के संगठित समूह को बुरा लगा। यह स्वाभाविक है। आखिर आत्मसम्मान कोई मामूली चीज तो है नहीं, जिसे पुलिस की जीप में बैठाकर ले जाया जा सके। सो, आत्मसम्मान की रक्षा का सबसे उपयुक्त तरीका खोजा गया। खोजने की भी ज़रूरत नहीं थी। पता ही था। उसे ही काम में लिया गया। हर जोर जुल्म की टक्कर में हड़ताल हमारा नारा है! मरीजों को समझना चाहिए कि डॉक्टर भी इंसान हैं, केवल अलबर्टपिण्टो को ही नहीं उन्हें भी गुस्सा आता है, और जब गुस्सा आता है तो बतर्ज़ तबेले की बला बंदर के सर, गुस्से का शिकार मरीज़ को होना पड़ता है। सो हो रहे हैं! उधर सरकार भी कम दिलचस्प नहीं है। उसे भी लगा कि कानून का राज स्थापित करना जरूरी है। और कानून का राज स्थापित करने का सबसे प्रभावशाली तरीका क्या है? एक डॉक्टर को इस तरह गिरफ्तार किया जाए कि बाकी डॉक्टरों को यह स्पष्ट संदेश मिल जाए कि सत्ता किसकी है। संवाद, समझाइश, या पेशेवर मर्यादा वगैरह ये सब किताबों में अच्छे लगते हैं, जमीनी हकीकत में नहीं।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे दिलचस्प किंतु दयनीय पात्र है जनता या कहें मरीज़। वह हर दृश्य में मौजूद है, लेकिन उसकी कोई संवाद-रेखा नहीं है। वह बस इधर-उधर भागता है, लाइन में खड़ा होता है, दरवाजों से धकियाया या लौटाया जाता है, और अंत में यह समझने की कोशिश करता है कि आखिर उसकी गलती क्या थी? शायद यही कि उसने बीमार पड़ने की गुस्ताख़ी कैसे की? वह भी ऐसे समय में जब डॉक्टरों और सरकार के बीच गरिमा बनाम कानून का महामुकाबला चल रहा था। और वैसे सरकार ने अपना फर्ज़ भी बखूबी निभाया। उसने घोषणा की कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारु चल रही हैं। कुछ छोटी-मोटी नुमाइशी गतिविधियां भी उसने की, ताकि हम विश्वास कर सकें कि वह हमारे लिए फिक्रमंद है!

हड़ताल के कारण राज्य का सबसे बड़ा अस्पताल, जयपुर का सवाई मान सिंह अस्पताल में ऐसा लग रहा था मानो कोई मेला लगा हो! फर्क सिर्फ इतना था कि यहाँ झूले नहीं, स्ट्रेचर थे; और मिठाइयों की जगह दवाइयों की पर्चियाँ बंट रही थीं। बंट क्या रही थीं, उनके लिए छीना झपटी चल रही थी। जो लोग कभी इस अस्पताल की भीड़ को व्यवस्था की विफलता मानते थे, उन्होंने उस दिन जाना कि विफलता भी एक सापेक्ष शब्द है-क्योंकि इससे बदतर भी कुछ हो सकता है। हो रहा था। दूसरी तरफ अलग ही दृश्य था। जहाँ आम दिनों में निजी अस्पतालों के बाहर पार्किंग तक न मिलती थी, वहाँ हड़ताल के चलते ऐसा सन्नाटा था मानो किसी जादुई छड़ी के घूमने से पूरा शहर स्वस्थ हो गया है। वैसे, यह सन्नाटा केवल इमारतों में नहीं था, बल्कि उस भरोसे में भी था, जो मरीज इन संस्थानों पर करता है।

उधर सोशल मीडिया पर अलग ही माहौल था। कुछ लोग निजी अस्पतालों को खुले आम लूट केंद्र घोषित कर रहे थे तो जवाबी हमले के रूप में कहा जा रहा था कि तुम वहां जाते ही क्यों हो? आखिर सरकार ने इतने सारे अस्पताल खोल रखे हैं, उनकी सेवाओं का लाभ क्यों नहीं लेते? इस भाषिक युद्ध में किसी को इतना याद कर लेने की ज़रूरत नहीं थी कि सरकारी सेवाएं न केवल अपर्याप्त हैं (ऊंट के मुंह में जीरा याद है किसी को?) सच तो यह है कि सरकार उनको बेहतर बनाने की बजाय ख़ुद निजी चिकित्सा सेवाओं को प्रोत्साहित करने में लगी हैं। सरकारों ने बग़ैर कहे यह कह दिया है कि नागरिक का स्वास्थ्य उसकी चिंता का विषय नहीं है। मुसाफ़िर अपने जान-माल की रक्षा ख़ुद करे! सरकारी अस्पताल बदहाली का नमूना बनते जा रहे हैं। न सुविधाएं हैं, न स्टाफ़ और न बजट! बजट लगातार कम किया जा रहा है। बेचारा मरीज़ निजी अस्पतालों में न जाए तो क्या करे?

अस्पतालों की हड़ताल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि हमारे यहाँ स्वास्थ्य सेवा केवल इलाज का साधन नहीं, बल्कि समय-समय पर आयोजित होने वाला एक सामूहिक नाटक भी है। एक ऐसा नाटक जिसमें किरदार तय हैं, संवाद तय हैं, और अंत भी लगभग तय ही होता है। फर्क बस इतना है कि इस नाटक का टिकट हमेशा मरीज को ही खरीदना पड़ता है, और वह भी अपनी जेब से नहीं, अपने धैर्य और कभी-कभी अपनी जान से भी।

राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम यानी जिसे सरकारी सेवा वालों और सेवा निवृत्त मरीजों (तथा कुछ और लोगों) की सुविधा के लिए बनाया गया था, अब खुद इतनी बीमार लगती है कि उसका इलाज कौन करेगा, यह तय नहीं हो पा रहा। यहीं यह कह देना ज़रूरी है कि यह सेवा सरकार की कृपा नहीं है। वही कृपा जिसे आजकल फ्रीबीज़ कहकर गरियाए जाने का नया फ़ैशन चला है। सरकारी कर्मचारी और पेंशनर के पैसों से यह योजना संचालित होती है। सरकार का काम केवल इसके प्रबंधन का है। शुरू-शुरू में यह योजना अच्छी तरह चली, इससे लोगों को राहत मिली लेकिन आहिस्ता-आहिस्ता पटरी से उतरती गई। इसमें दोष किसी एक का नहीं, सभी का रहा। मरीज़ों ने इस सुविधा का कई तरह से दुरुपयोग किया, तो निजी अस्पतालों और डॉक्टरों ने भी बहती गंगा में हाथ धोने से परहेज़ नहीं किया। एक बहुत बड़ी गड़बड़ प्राय: यह होने लगी कि सरकार की तरफ से अस्पतालों को भुगतान में बहुत देरी की जाने लगी। इस बार भी निजी अस्पतालों की एक शिकायत यह है कि उन्हें नौ-दस महीनों से भुगतान नहीं मिला है। यह शिकायत थोड़े-थोड़े दिनों में उभरती रहती है और सरकार है कि सरक-सरक कर चलना अपना धर्म माने बैठी है। मुझ जैसे अज्ञानियों के लिए यह पहली अबूझ है कि आखिर अस्पतालों को समय पर भुगतान क्यों नहीं किया जाता, और क्यों नहीं किया जा सकता है! क्या इस बात की किसी को परवाह है कि वर्तमान और भूतपूर्व सरकारी कर्मचारियों को कितनी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है? वह भी तब जब कि वे इस सेवा के लिए अग्रिम भुगतान कर चुके हैं।

अभी हम देख रहे हैं कि डॉक्टरों का तर्क है कि उनकी गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। बिल्कुल सही बात है। लेकिन अगर किसी पर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगे तो क्या डॉक्टरों के संगठन का एकजुट होकर इसके पक्ष में आंदोलित होना तर्क संगत कहा जाएगा? उनसे भी एक छोटा-सा प्रश्न तो किया ही जाना चाहिए। क्या मरीज की जिंदगी से समझौता किया जा सकता है? उनकी लड़ाई सरकार से है या मरीज़ से? या फिर उन्होंने तो यह मान लिया है कि गरिमा और जीवन के बीच यदि चुनाव करना पड़े, तो गरिमा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए? इस हड़ताल ने हमें यह भी बता दिया है कि निजी अस्पताल अब केवल इलाज के केंद्र नहीं, बल्कि व्यवस्था को 'पॉज़' करने वाले बटन बन चुके हैं। एक दिन के लिए सेवाएं बंद करो, और पूरा शहर रुक जाता है। सरकारी अस्पतालों में भीड़ इस तरह उमड़ती है, मानो किसी ने अचानक घोषणा कर दी हो कि आज सभी सेवाएं मुफ्त हैं! भले ही यह 'मुफ्त' केवल कागजों में ही क्यों न हो! सरकार ने हमेशा की तरह स्थिति पर 'नज़र बनाए रखी' है। जैसे अल्बर्ट हॉल म्यूज़ियम में रखी कोई पुरानी वस्तु, जिसे देखा तो जाता है, पर छुआ नहीं जाता। यह 'नज़र' बहुत कुछ देखती है, लेकिन बहुत कम करती है। और जब तक कुछ किया जाता है, तब तक अक्सर बहुत कुछ बिगड़ चुका होता है।

यह पूरा घटनाक्रम हमें एक असहज करने वाली सच्चाई के सामने ला खड़ा करता है-क्या स्वास्थ्य सेवा अब भी सेवा रह गई है, या वह पूरी तरह से एक उद्योग, एक शक्ति संरचना और एक सौदेबाजी का मंच बन चुकी है? यदि एक डॉक्टर की गिरफ्तारी पूरे राज्य की चिकित्सा व्यवस्था को ठप कर सकती है, तो यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक संकेत है कि व्यवस्था का संतुलन कहीं न कहीं बहुत गंभीर रूप से बिगड़ चुका है।

अब सवाल यह है कि आगे क्या होगा? शायद एक बैठक होगी, कुछ आश्वासन दिए जाएंगे, हड़ताल खत्म हो जाएगी, और सब कुछ सामान्य हो जाएगा। मरीज फिर से अस्पतालों में जाने लगेंगे, डॉक्टर फिर से इलाज करने लगेंगे, और सरकार फिर से अपनी फाइलों में व्यस्त हो जाएगी। और हम सब मिलकर राहत की सांस लेंगे। लेकिन कब तक? जब तक अगला संकट न आ जाए। यथार्थ यह है कि असली समस्या का समाधान करना हमारे सिस्टम की प्राथमिकता कभी रहा ही नहीं। स्थिति को किसी तरह संभाल लेना, उसे टाल देना, और फिर भूल जाना- हमारी प्राथमिकता तो यह रही है। राजस्थान की यह हड़ताल भी शायद कुछ दिनों बाद एक खबर बनकर रह जाएगी। ज़िंदगी फिर से अपने ढर्रे पर चलने लगेगी। हम में से अधिकांश इन असुविधाओं को विस्मृत कर देंगे। सिवा उनके जिन्होंने इस हड़ताल की वजह से अपने किसी प्रियजन को खो दिया होगा। लेकिन जो सवाल इसने उठाए हैं, वे यहीं रहेंगे। चुपचाप, अनुत्तरित, और अगले विस्फोट का इंतजार करते हुए।

और तब तक, मरीजों से बस यही अपेक्षा है कि वे धैर्य रखें, समझदारी दिखाएं, और सबसे जरूरी बात यह कि बीमार पड़ने से बचें। क्योंकि इस देश में बीमार पड़ना अब केवल एक शारीरिक स्थिति नहीं, बल्कि एक प्रशासनिक और सामाजिक जोखिम भी है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

उदयपुर के डेरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की स्थापना

अभी तक की यात्रा से संबंधित जानने योग्य महत्वपूर्ण पहलू

वीर बहादुर सिंह

कृषि से सम्बंधित उदयपुर के महाविद्यालयों में मतस्य विज्ञान महाविद्यालय को छोड़कर डेरी विज्ञान महाविद्यालय को अपेक्षा कृत नवीन कह सकते हैं, परन्तु वो भी अब इतना नवीन नहीं रहा क्योंकि इसे स्थापित हुए अब लगभग 48 वर्ष हो चुके हैं। इसमें खाद्य प्रौद्योगिकी प्रोग्राम वर्ष 1998 में जोड़ा गया जिसकी अनुशंसा एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के अंतगत प्रदेश सरकार को मिली विदेशी सहायता के खर्च के आयामों पर पेश की गयी रिपोर्ट में की गई थी। डेरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी की वर्तमान बिल्डिंग इसी प्रोजेक्ट के अंतर्गत बनाई गई, और चार वर्ष का खाद्य प्रौद्योगिकी स्नातक पाठ्यक्रम अनुभवी वैज्ञानिकों यथा डॉ पार्पिया, डॉ प्रूथी, डॉ वानखेड़े, डिफेन्स फ़ूड रिसर्च लैब मैसूर के निदेशक के अलावा पंतनगर, लुधिअना, हिसार, आनंद आदि ने तीन दिन तक सम्बाद करके बनाया जिसे विश्वविद्यालय की अकादमिक समिति ने अनुमोदित किया। इस प्रकार यह खाद्य प्रौद्योगिकी स्नातक पाठ्यक्रम डेरी के पाठ्यक्रम के समानांतर आरम्भ हुआ था।

डेरी विज्ञान महाविद्यालय की शुरुआत 1978 में हो गई थी। राजस्थान कृषि महाविद्यालय में डेरी विज्ञान विभाग हुआ करता था जिसके अंतर्गत डेरी विज्ञान के स्नातकोत्तर विषय और कृषि स्नातक के डेरी विषय पढ़ाये जाते थे। दोनों पाठ्यक्रमों के लिए वांछित फैकल्टी भी सदैव उपलब्ध रही। डेरी विज्ञान महाविद्यालय बनते ही कृषि संकाय का तत्कालीन डेरी विभाग डेरी कॉलेज से सम्बन्ध हो गया और सभी स्टाफ, बिल्डिंग, प्लांट मशीनरी आदि डेरी विज्ञान महाविद्यालय के अधीन हो गए।

यहाँ बताते चलें कि डेरी विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम की अनुशंसा राज्य सरकार पहले ही कर चुकी थी लेकिन किन्ही कारणों से तत्कालीन विश्वविद्यालय इस पर कोई कार्यवाही नहीं कर सका। फिर डेरी विकास के अंतर्गत प्रदेश में ऑपरेशन फ्लड 1 और ऑपरेशन फ्लड 2 के अंतर्गत प्रदेश में बड़े पैमाने पर संगठनात्मक और संरचनात्मक कार्य आरम्भ हो चुका था। इसलिए यही समय अधिक उपयुक्त होते हुए डेरी विज्ञान की स्नातक शिक्षा को आरम्भ करने का प्लान बनाया गया ताकि नए स्थापित संयंत्रों को संचालित करने के लिए उपयुक्त टेक्निकल मैनपावर मिल सके। फलस्वरूप इस प्रोग्राम को संचालित करने के लिए विश्वविद्यालय में एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमे प्रदेश के बाहर से भी डेरी वैज्ञानिक और अनुभवी शिक्षक मौजूद थे। मैं उस समय जोबनेर स्थित कृषि महाविद्यालय में डेरी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष पद पर कार्यरत था। वर्कशॉप से आमंत्रण के लिए मैनें भी उदयपुर आकर दो दिन मीटिंग में भाग लिया। तत्कालीन डीन कृषि अभियांत्रकी डॉ के.एन. नाग उस समय इस प्रोग्राम को अपने कॉलेज में ले जाने को प्रयासरत थे लेकिन डॉ रावत और डीन गुजरात के आनंद स्तिथ महाविध्लाय के डीन ने इसके विपरीत प्रस्ताव रखे कियोंकि यह माना गया कि अलग कॉलेज से ही विषय और उसके विस्तार व् अनुसन्धान को सही दिशा मिलेगी। संवाद के दूसरे दिन समाप्ति पर।

डॉ. एन.आर. भसीन जो वर्क शॉप में मौजूद थे और वे राजस्थान के उभरते डेरी परिदृश्य के जनक तो थे ही, भविष्य की योजनाओं का खाका भी उनके दिमाग में बन चुका था, ने संवाद को समाप्त करते हुए अपना निर्णय दिया कि फिलहाल डेरी विज्ञान स्नातक की पढ़ाई कृषि महाविद्यालय में की जाए और शनै: शनै: इस पाठ्यक्रम को आधार मानते हुए अन्य महाविद्यालयों की भांति एक डेरी विज्ञान का अलग महाविद्यालय शीघ्र बनाया जाय। डॉ नाग की मंशा पूर्ण होती न देख उनके अनुयायी खफा हो गए जो डेरी का कॉलेज बनने के उपरान्त भी खफा बने रहे। यद्यपि अभियंत्रकी महाविद्यालय से कई टीचर डेरी कॉलेज में इंजीनियरिंग से सम्बंधित कोर्स पढानें आते रहे और वह सिलसिला वर्तमान में भी इंटीग्रेटेड टीचिंग पध्यति के कारण चालू है।

बाद में डॉ नाग बीकानेर में स्थापित कृषि विश्व विध्यालय के कुलपति नियुक्त हुए। लेखक भी वर्ष 1990 जुलाई में डेरी का अधिष्ठाता नियुक्त होकर जोबनेर से उदयपुर स्थानांतर हो गया। लेखक को उदयपुर कार्य करते ऐसे अनुभव भी हुए जिससे इस बात को बल मिला कि अभी भी असंतुष्ट वर्ग अलग डेरी कॉलेज बनने का दंश मन में पाले हुए हैं।

लेखक ने मैत्रयी भाव से तब इंजीनियरिंग कॉलेज के कई अध्यापकों से घनिष्ट सम्बन्ध बना लिए और डेरी कॉलेज के लिए उनका सहयोग सदैव मिलता रहा। परन्तु कतिपय वरिष्ठम टीचर्स मन में द्वेष पाले रहे और धरातल पर उसको नहीं आने दिया। उचित और सम्मानपूर्वक संवाद में लेखक सदैव अग्रणी रहा यहाँ तक कि डॉ. नाग और लेखक दोनों में रिटायर होने के पश्चात भी सामजिक मुलाकातें होती रही। इससे दोनों के दिलों में कोई वर्जना तो नहीं रही लेकिन कतिपय सीनियर सदस्यों के दिल नहीं बदल सके।

उपरोक्त वर्णन से यह तो विदित होता है कि विश्वविद्यालय का एक वर्ग डेरी कॉलेज का विरोधी था हालांकि कालान्तर में इंजिनीरिंग के ही एक वरिष्ठ टीचर डेरी कॉलेज के डीन वर्षों तक बने रहे। वे डेरी कॉलेज में कोई एक शैक्षणिक अध्याय नहीं जोड़ सके बल्कि उन के कार्यकाल में डेरी कॉलेज की अनुमोदित पदों की सख्या को सरकार कम करती रही और उन्होंने उसका कोई विरोध नहीं किया। दूसरे डीन भी आये जिनमें फिर से एक इंजीनियरिंग के, एक होम साइंस से और एक कृषि संकाय से नियुक्त किये गए जिनकी योग्यता वांछनीय से कोई मेल नहीं खाती थी। सरकार ने कभी भी कुलपति से यह नहीं पूंछा कि डीन की अनिवार्य योग्यताओं को बदलने की क्या आवश्यकता आन पड़ी, क्या और कोई विकल्प नही मिल सकता था?

इतना ही नहीं अवांछित योग्यता के लोगों को डेरी विज्ञान का डीन नियुक्त करना कुलपतिओं के लिए एक मनोरंजन का साध्य बन गया क्योंकि जहाँ वांछित योग्यता नहीं थी वहां कुलपतिओं ने किसी स्वार्थवश वांछित योग्यता को ही बदल डाला और प्रबंधमंडल से अनुमोदित करा लिया। इससे जिनको प्रशासनिक अनुभव प्राप्त कर कतिपय को और ऊपर बढ़ने के लिए एक सीढ़ी भी मिल सकी।

इस पूरे प्रकरण में राज्य सरकार में बैठे सम्बंधित सचिवों की भूमिका भी संदिग्ध बनी रही। लेखक ने यह भलीभांति अनुभव किया जब उसने जयपुर सचिवालय में एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए विदेशी अनुदान और उसकी कंसल्टेटिव समिति द्वारा दी गई विस्तृत रिपोर्ट पर फाइनल चर्चा में भाग लिया। इस समिति को चेयर कर रहे थे एक अतिवरिष्ठ प्रशासन सचिव। मीटिंग में चर्चा के दौरान यह सहमति भी एकमत से बनीं कि प्रदेश में इस अनुदान से संपन्न हुए कार्य संतोषजनक रहे, इस अनुशंसा के साथ विदेशी सदस्यों की रिपोर्ट स्वीकार कर ली गई।

चेयरमैन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मीटिंग समाप्त कर दी और सदस्य खड़े होकर विसर्जन करने लगे। आश्चर्य से उसी समय चेयरमैन ने मुझे देख कटाक्ष किया कि उदयपुर का डेरी कॉलेज बंद कर देना चाहिए क्योंकि वहां के छात्रों को नौकरी नहीं मिल रही। मैं भी चूँकि चलने के लिए खड़ा हो चुका था चेयरमैन का चलते हुए कटाक्ष करना मुझे आश्चर्यजनक और हैरानी वाला लगा, बिना समय गवाए तुरंत ही मैनें कहा–"सर, मीटिंग समाप्त हो गई अथवा अभी चालू है?" उनके यह कहने पर कि मीटिंग तो ख़त्म हो चुकी। तब मैनें कहा कि सर इस रिपोर्ट में छात्रों को मिले रोजगार के जो आंकड़े दर्ज हैं वे केवल और केवल मेरे डेरी कॉलेज के हैं जिन्हे सम्पूर्ण विश्व विद्यालय के लिए दर्शाया गया है। वास्तव में डेरी कॉलेज के अलावा अन्य कोई कॉलेज इस तरह के आंकड़े अपने छात्रों के लिए एकत्रित नहीं करता।

इस प्रकरण से मेरी वो भावना सुद्रण हुई जो मैनें संगठित तरीके से भिन्न-भिन्न जगहों से डेरी कॉलेज के विरोध में चलाया गया अदृश्य प्रोग्राम महसूस किया था। मुझे तनिक भी अब (रिटायरमेंट के बाद) शंसय और हिचकचाहट नहीं है कि वो विरोधी तत्व अभी तक सक्रीय बने हुए हैं जिससे डेरी कॉलेज बद से बदत्तर होते हुए भी किन्ही देवीय कारणों से स्थिर बना हुआ है बिना किसी आगे विकास किये।

इस बात को यहाँ प्रचारित करने का मेरा उद्देश्य एक अलग ही है और वह है छात्र वर्ग को दशकों से निरंतर धोखा, झूंठे और मनगढंत सूचनाएँ प्रकाशित करा कर, चार वर्ष का उनका अमूल्य समय और उनके माता-पिता का घोर परिश्रम से पैदा किया धन जो वे अपने पुत्र अथवा पुत्री पर व्यय करते हैं का दुरूपयोग। क्या कोई उपाय है इसे रोकने का? और जो नुकसान समय और धन का हो चुका उसकी भरपाई अथवा पाटनें का? प्रदेश का यह दुर्भाग्य है कि हम ऐसी शासन व्यवस्था में जी रहे हैं जहाँ कोई जवाब देहि नहीं, कितना ही नुक्सान कर दीजिए सरकारी धन का और स्टेकहोल्डर के समय और धन दोनों का।

डेरी कॉलेज में अनियमिताओं के बारे में समय समय पर प्रकाशित खबरों से अखवार भरे पड़े हैं ,कोई देखने वाला नहीं, भले ही वो भ्रष्टाचार निरोधी ब्यूरो हो अथवा राज्य की "पब्लिक एकाउंट्स समिति" ही हो अथवा कोई अन्य। सभी बेफिक्र और मूक, कोई हलचल तक नहीं। अंत में मेरी हार्दिक कामना है कि डेरी कॉलेज उदयपुर में छात्र स्नातक शिक्षा के लिए प्रवेश न लें, कहीं अन्यंत्र शिक्षा ग्रहण करें जो उनके भविष्य के लिए कई विकल्प खोलनें में सक्षम होगी।

-प्रो. (सेवानिवृत) वीर बहादुर सिंह,
पूर्व डीन, डेरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय,
(महाराण प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि) उदयपुर।

डमी स्कूल और कोचिंग का घातक गठजोड़: भारतीय शिक्षा प्रणाली का गहराता प्रदूषण

गठजोड़ में तीन मुख्य खिलाड़ी हैं : कोचिंग माफिया, स्कूल प्रबंधन और नौकरशाही

प्रो. अशोक कुमार

भारतीय शिक्षा व्यवस्था आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहां ज्ञानार्जन का मार्ग धुंधला होता जा रहा है और सफलता का एक कृत्रिम बाजार फल-फूल रहा है। हाल ही में समाचार पत्रों में उजागर हुई 'डमी स्कूल' और कोचिंग संस्थानों के बीच की साठगांठ ने उस कड़वी सच्चाई को फिर से सतह पर ला दिया है! राजस्थान की राजधानी जयपुर से लेकर देश के अन्य शैक्षिणक केंद्रों तक, 'डमी मॉडल' एक ऐसी संक्रामक बीमारी की तरह फैल चुका है जो हमारी औपचारिक स्कूली शिक्षा की नींव को खोखला कर रहा है।

'डमी स्कूल' का सीधा अर्थ है- एक ऐसा विद्यालय जहां छात्र का नामांकन तो है, लेकिन उसकी उपस्थिति अनिवार्य नहीं है। छात्र अपना पूरा समय निजी कोचिंग संस्थानों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में बिताता है, जबकि स्कूल प्रबंधन भारी भरकम फीस लेकर कागजों पर उसकी 75 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कर देता है। यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि एक व्यापक संस्थागत भ्रष्टाचार है।

इस गठजोड़ में तीन मुख्य खिलाड़ी हैं: कोचिंग माफिया, स्कूल प्रबंधन और नौकरशाही। कोचिंग संस्थान छात्रों को पैकेज बेचते हैं जिसमें स्कूल का डमी एडमिशन भी शामिल होता है। स्कूल बिना पढ़ाए मोटी रकम कमाते हैं और शिक्षा विभाग के अधिकारी अपनी मौन सहमति से इस अवैध कारोबार को संरक्षण देते हैं। यह विडंबना ही है कि जहां स्कूलों की कक्षाएं खाली पड़ी हैं, वहीं कोचिंग संस्थान खचाखच भरे हैं।

शिक्षा कभी एक पवित्र संस्कार और साधना थी, लेकिन आज यह पूरी तरह से कमोडिटी (वस्तु) बन चुकी है। जब हम शिक्षा के बाजारीकरण की बात करते हैं, तो हम उस नैतिक पतन की ओर इशारा करते हैं जिसे मैं "एजुकेशन पॉल्यूशन – शिक्षा प्रदूषण" कहता हूँ। यह प्रदूषण केवल पर्यावरण में नहीं, बल्कि हमारी सोच और व्यवस्था में भी घर कर गया है।

एक प्राणि विज्ञानी के दृष्टिकोण से देखें तो किसी भी जीव के सर्वांगीण विकास के लिए उसका प्राकृतिक परिवेश अनिवार्य होता है। छात्र के लिए स्कूल वह प्राकृतिक परिवेश है जहां वह केवल विषय नहीं सीखता, बल्कि सामाजिक संवाद, खेल, अनुशासन और नैतिक मूल्य भी सीखता है। डमी मॉडल उसे इस परिवेश से काटकर एक कृत्रिम प्रेशर कुकर (कोचिंग) में डाल देता है। परिणाम स्वरूप, हमें रैंक होल्डर्स तो मिल रहे हैं, लेकिन संवेदनशील और जागरूक नागरिक खो रहे हैं।

आज तक की लगभग सभी सरकारी योजनाएं और नियम इस डमी कल्चर को रोकने में विफल रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि हमारी नीतियां केवल सतही लक्षणों का इलाज करती हैं, मूल बीमारी का नहीं। बायोमेट्रिक उपस्थिति या औचक निरीक्षण जैसे उपाय केवल कागजी साबित हुए हैं क्योंकि निरीक्षण करने वाले हाथ भी उसी भ्रष्टाचार की गंगा में धुले हुए हैं। राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही अक्सर इन संस्थानों के रसूख और चंदे के आगे नतमस्तक रहते हैं। जब तक शिक्षा का उद्देश्य केवल वोट बैंक और आंकड़ों का खेल रहेगा, तब तक वास्तविक सुधार की उम्मीद बेमानी है।

इस समस्या का एकमात्र स्थायी समाधान प्रवेश परीक्षा प्रणाली को जड़ से बदलना है। वर्तमान में, 12वीं की बोर्ड परीक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के बीच का गैप ही कोचिंग और डमी स्कूलों की जननी है। जब तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश का आधार केवल एक दिन की 3 घंटे की परीक्षा रहेगी, तब तक छात्र स्कूल जाने को समय की बर्बादी मानते रहेंगे।

हमें एक ऐसी प्रणाली की आवश्यकता है जहां निरंतर मूल्यांकन होना चाहिए! छात्र के 11वीं और 12वीं के शैक्षणिक रिकॉर्ड को प्रवेश का मुख्य आधार बनाया जाए। बोर्ड और एंट्रेंस का एकीकरण होना चाहिए! स्कूल के पाठ्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं के स्तर में जो भारी अंतर है, उसे खत्म किया जाए। रटने की क्षमता के बजाय छात्र की स्वाभाविक योग्यता और रुचि का परीक्षण होना चाहिए।

नौकरशाही और राजनीतिक हस्तक्षेप से ऊपर उठकर अब समय आ गया है कि एक संवैधानिक रूप से स्वतंत्र भारतीय शिक्षा नियामक का गठन किया जाए। यह नियामक चुनाव आयोग या सीएजी की तरह स्वायत्त होना चाहिए।

इस नियामक के पास सख्त ऑडिटिंग, स्कूलों की भौतिक उपस्थिति और आधार-लिंक्ड बायोमेट्रिक डेटा का सीधा नियंत्रण, डमी नामांकन पाए जाने पर बिना किसी राजनीतिक दबाव के स्कूल की मान्यता और कोचिंग के पंजीकरण को तुरंत रद्द करने का अधिकार। कोचिंग संस्थानों द्वारा किए जाने वाले भ्रामक विज्ञापनों और अनियंत्रित फीस वसूली पर कानूनी लगाम लगाना।: शिक्षा क्षेत्र में होने वाले भ्रष्टाचार की जांच के लिए एक स्वतंत्र विजिलेंस विंग के लिए शक्तियां होनी चाहिए।

डमी मॉडल का सबसे भयावह पहलू छात्रों का गिरता मानसिक स्वास्थ्य है। स्कूल और कोचिंग के बीच संतुलन न बन पाने से छात्रों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है, जो अंतत: उन्हें आत्महत्या जैसे आत्मघाती कदमों की ओर धकेलता है। एक छात्र जो स्कूल नहीं जाता, वह एकाकीपन का शिकार हो जाता है। वह केवल फॉर्मूले और शॉर्टकट्स के बीच फंस कर रह जाता है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाना नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाना है। यदि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को इस एजुकेशन पॉल्यूशन से नहीं बचा पाए, तो हम केवल डिग्रियां बांटने वाला कारखाना बनकर रह जाएंगे। डमी स्कूलों और कोचिंग माफिया का यह गठजोड़ राष्ट्र के बौद्धिक भविष्य के लिए एक कैंसर है।

इसके लिए केवल कड़े कानून पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि एक प्रशासनिक इच्छाशक्ति और संवैधानिक स्वायत्तता वाले नियामक की आवश्यकता है। साथ ही, अभिभावकों को भी यह समझना होगा कि उनके बच्चे की रैंक उसके व्यक्तित्व से बड़ी नहीं है।

समय आ गया है कि हम 'शिक्षा बचाओ' को एक जन-आंदोलन का रूप दें, ताकि हमारा शिक्षा तंत्र फिर से ज्ञान, चरित्र और मानवता का प्रकाश फैला सके। जैसा कि मैंने हमेशा माना है-जब तक जड़ें मजबूत नहीं होंगी, तब तक ज्ञान का वृक्ष फलदायी नहीं हो सकता। डमी मॉडल उन जड़ों को काट रहा है, जिसे रोकना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

-प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 20 अप्रैल, 2026

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 2:03 तक, सौभाग्य योग सायं 4:11 तक, गर करण प्रात: 7:28 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। रवियोग रात्रि 2:08 तक है। अमृत सिद्धि योग रात्रि 2:08 से आरम्भ होगा। भद्रा सायं 5:51 से रात्रि 4:15 तक रहेगी। आज सायन वृष में सूर्य प्रवेश प्रात: 7:09 पर होगा। आज विनायक चतुर्थी। आज चतुरथी तिथि का क्षय हुआ है। आज रोहिणी व्रत है। आज से ग्रीष्म ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:38 तक, शुभ 9:14 से 10:50 तक, चर 2:02 से 3:38 तक, लाभ-अमृत 3:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:02, सूर्यास्त 6:49

मेष
आज आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

वृष
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आज मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आज परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

मकर
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

₹79 हजार करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित

राजस्थान रिफाइनरी

का राष्ट्र को समर्पण

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी

के कर कमलों द्वारा

मंगलवार, 21 अप्रैल, 2026 | प्रातः 9:30 बजे

पचपदरा, बालोतरा, राजस्थान

आप सादर आमंत्रित हैं

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

पुष्कर घाटी में बस पलटी, दो महिलाओं की मौत, 32 यात्री गंभीर घायल

बस चालक को अचानक मिर्गी का दौरा पड़ने से वाहन नियंत्रण से बाहर हो गया था

अजमेर/पुष्कर, (निसं)। पुष्कर घाटी क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जहां सवारियों से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर घाटी में पलट गई। हादसे के समय बस में करीब 40 यात्री सवार थे। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 32 लोग घायल हुए हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों की चीख-पुकार से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस चालक को अचानक मिर्गी का दौरा पड़ने से वाहन नियंत्रण से बाहर हो गया और गहरी खाई में पलट गया। हादसे में अजमेर निवासी दो महिलायें बिमला और पूजा-की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को तत्काल अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय (जेएलएन) में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ घायलों को पहले पुष्कर में प्राथमिक उपचार देने के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला कलैक्टर लोक बंधु, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला,

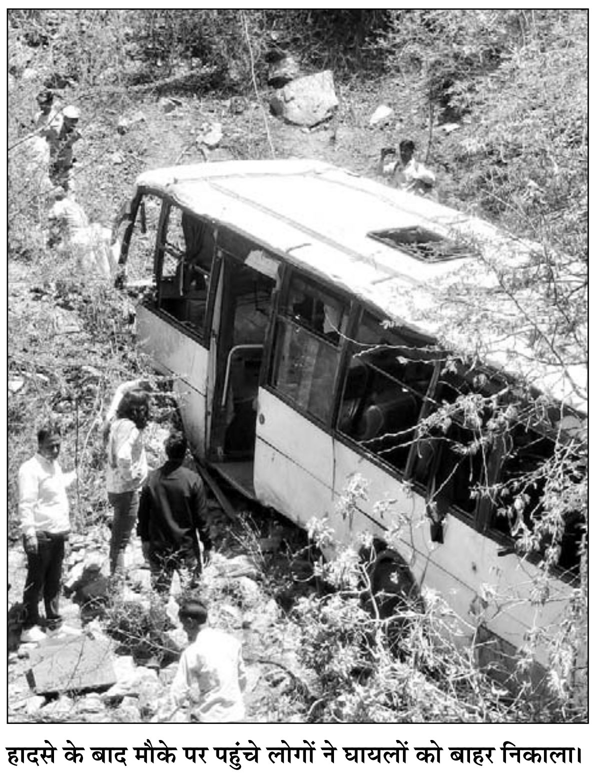

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों को बाहर निकाला।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार तथा पुष्कर थाना प्रभारी विक्रम सिंह राठौड़ मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्यों का जायजा लिया।

■ **प्रारंभिक जांच में बस की फिटनेस और चालक की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, बताया जा रहा है कि बस की हालत ठीक नहीं थी**

प्रशासन की ओर से तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर घायलों को बाहर निकाला गया। हादसे के बाद घाटी क्षेत्र में लंबा जाम लग गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने भी अपनी जान जोखिम में डालकर घायलों को बस से बाहर निकालने में मदद की। जिला कलैक्टर ने रेस्क्यू में सहयोग करने वाले लोगों का आभार व्यक्त किया। प्रारंभिक जांच में बस की फिटनेस और चालक की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि बस की हालत ठीक नहीं थी और चालक पहले से मिर्गी का मरीज था। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक से जानकारी ली : इस घटना को लेकर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल से विस्तृत जानकारी ली तथा घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही पुष्कर घाटी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए गए।

पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने दुख जताया : वहीं पुष्कर घाटी में हुए भीषण बस हादसे पर पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राठौड़ ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मृतकों के परिजनों को उचित आर्थिक सहायता देने तथा घायलों के बेहतर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने हादसे की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने और पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान करने के ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सिलेंडर धमाके से पक्का मकान ढहा, परिवार बाल-बाल बचा

घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली।

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं जिले के चंवरा-किशोरपुरा मोरंडा मार्ग पर शनिवार शाम एक भयावह हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। शाम करीब 7:20 बजे गैस सिलेंडर में आग लगने के बाद हुए जोरदार धमाके से एक पक्का मकान पलभर में जमींदोज हो गया। हादसे में 14 मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई, वहीं परिवार के सदस्य समय रहते बाहर निकल जाने से एक बड़ा जनहानि टल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चंवरा निवासी शंकर लाल मेघवाल के घर में उनकी पत्नी मिश्री देवी खाना बना रही थी। इसी दौरान गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। स्थिति बिगड़ती देख मिश्री देवी ने शोर मचाकर घर से बाहर भागकर जान बचाई। कुछ ही क्षणों बाद जोरदार धमाका हुआ और पूरा मकान भरभराकर गिर पड़ा।

धमाके और भीषण आग की चपेट में आने से घर में बंधे 14 मवेशियों की

■ **आग की चपेट में आने से घर में बंधे 14 मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई**

मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही घर में रखा अनाज, कपड़े, बिस्तर और नकदी भी जलकर राख हो गए।

हादसे के बाद परिवार के पास सिर छुपाने तक की जगह नहीं बची। घटना की सूचना मिलते ही बीट अधिकारी महावीर प्रसाद सैनी, संजय जैफ और चालक अभिषेक ढाका मौके पर पहुंचे। गुढ़ागौड़जी थाने से अतिरिक्त पुलिस बल और दमकल टीम को बुलाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। विशेष साहस का परिचय देते हुए बीट अधिकारी महावीर प्रसाद सैनी ने जलते मकान में घुसकर दो भरे हुए गैस सिलेंडर बाहर निकाले, जिससे एक और बड़े धमाके और नुकसान की आशंका टल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दमकल टीम करीब एक घंटे बाद उदयपुरवाटी से मौके पर पहुंची। तब तक मकान पूरी तरह ढह चुका था और आग ने सबकुछ निगल लिया था। देरी को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी भी देखी गई। ग्रामीणों के अनुसार शंकर लाल मेघवाल की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है। करीब एक माह पूर्व उनका गले का ऑपरेशन हुआ था, जिससे परिवार पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहा था। इस हादसे ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने गुढ़ा-चंवरा स्टेट हाईवे पर चक्काजाम कर दिया और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। सूचना पर गुढ़ा थानाधिकारी सुरेश कुमार रोलन और तहसीलदार कुलदीप भाटी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों द्वारा सरकारी सहायता का आश्वासन दिए जाने के बाद जाम हटाया गया।

डूंगरपुर : खड़े टैंकर में घुसी कार, गुजरात के तीन युवक घायल

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर खेड़ा गांव के पास एक सड़क हादसा हो गया। गुजरात से शादी समारोह में शामिल होने आ रहे युवकों की कार सड़क किनारे खड़े एक टैंकर से टकरा गई। इस दुर्घटना में कार सवार तीन युवक घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार गुजरात के ओढ व गांव निवासी ऋतिक दसलनिया अपने दोस्तों देवेंद्र और हार्दिक के साथ डूंगरपुर आ रहे थे। वे जिले के रामगढ़ गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। खेड़ा गांव के पास पहुंचने पर कार ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया, जिससे कार सड़क किनारे खड़े एक टैंकर के पिछले हिस्से में जा घुसी। हादसे की सूचना मिलते ही 108

■ **डूंगरपुर के सदर थाना क्षेत्र में खेड़ा गांव के पास हुआ सड़क हादसा**

एम्बुलेंस के पायलट मुकेश कटारा और ईएमटी जितेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को संभाला और तत्काल डूंगरपुर के जिला अस्पताल पहुंचाया। इस दुर्घटना में कार चला रहे ऋतिक दसलनिया को गंभीर चोटें आई हैं। उनका इलाज जिला अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में चल रहा है। कार में सवार अन्य 2 साथी देवेंद्र और हार्दिक को मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एंबुलेंस के ईएमटी जितेंद्र सिंह ने घटना की पुष्टि की है।

सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत, एक की हालत गंभीर

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में बालदिया के पास शनिवार रात एक सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक अन्य दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा तब हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रॉले ने अचानक ब्रेक लगाए और पीछे से आ रही बाइक उससे टकरा गई।

बिछीवाड़ा थाने के एएसआई शिशुपाल सिंह ने बताया कि खापरडा निवासी सतीश रोत ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार उसका छोटा भाई 22 वर्षीय कृष्णा अपने 20 वर्षीय दोस्त साहिल और 18 वर्षीय युवराज के साथ बाइक पर डूंगरपुर से बिछीवाड़ा की ओर जा रहे थे। रात करीब 10 बजे जब वे बालदिया गांव के पास पहुंचे, तो उनके आगे चल रहे ट्रॉले के ड्राइवर ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बिना किसी संकेत के अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। रफ्तार धीमी होने के बावजूद, अचानक ब्रेक लगने से बाइक ट्रॉले से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कृष्णा और साहिल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, पीछे बैठा युवराज गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस की मदद से तीनों को जिला अस्पताल डूंगरपुर ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद युवराज को उदयपुर रेफर कर दिया गया। मृतकों के परिजन जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी पहुंचे, जहां पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किए। पुलिस ने ट्रॉला ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिलानी के झेरली गांव में गौशाला में आग लगी, पांच गौवंश की मौत

पिलानी, (झुंझुनूं)। झुंझुनूं जिले के पिलानी क्षेत्र के झेरली गांव में शनिवार रात हुए भीषण गौशाला अग्निकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। गैस सिलेंडर ब्लास्ट से लगी आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप ले लिया, जिसमें पांच गायों की दर्दनाक मौत हो गई और पूरी गौशाला जलकर खाक हो गई। हादसे के बाद गांव में शोक और मायूसी का माहौल पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार गौशाला में अचानक आग भड़क उठी और लकड़ी की छत होने के कारण तेजी से फैलती चली गई। मौके पर मौजूद परिवार दो महिलाएं और एक पुरुष ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तभी सिलेंडर

■ **गैस सिलेंडर ब्लास्ट से लगी आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप ले लिया**

में जोरदार धमाका हो गया, जिससे हालात और बिगड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण, गौरक्षक और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक गौशाला पूरी तरह तबाह हो चुकी थी।

इस दुखद घटना की खबर मिलते ही जनसेवक एवं भामाशाह डॉ. मधुसूदन मालानी तुरंत झेरली पहुंचे। उन्होंने पीड़ित गौशाला संचालक योगेश समदर्शी से मिलकर उनका हाल जाना और परिवार को ढांढस बंधाया। इस दौरान माहौल भावुक हो उठा और पीड़ित परिवार का दर्द छलक पड़ा। मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए डॉ. मालानी ने गौशाला के पुनर्निर्माण के लिए 2 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक भेंट किया। इस सहयोग से पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली और उन्होंने आभार व्यक्त किया। गांववासियों ने इस कठिन समय में आगे आकर मदद करने के लिए डॉ. मालानी की खुलकर सराहना की। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे संकट के समय में मिला यह सहयोग पीड़ित परिवार के लिए बड़ी संबल है।

बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की

निवाई, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने अवैध खनन परिवहन पर कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

सदर थाना प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राजेश मीना द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव व डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने जोधपुरिया लालगेट से चतुर्भुजपुरा की ओर जाने वाले रास्ते पर नाकाबंदी के दौरान अवैध बजरी से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस ने एमएमडीआर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले का अनुसंधान हैड कांस्टेबल राजेश कुमार द्वारा किया जा रहा है। टीम में सहायक उप निरीक्षक गजराज सिंह, हैड कांस्टेबल नन्दकिशोर व कांस्टेबल गिर्राज एवं पायलेट शामिल रहे।

झुंझुनूं में पुलिस ने एक ही दिन में 123 अपराधी गिरफ्तार किये

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए झुंझुनूं पुलिस ने शनिवार को एक दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान चलाकर बड़ा एक्शन लिया। राहुल प्रकाश (महानिरीक्षक पुलिस, जयपुर रेंज) के आदेशानुसार तथा कावेन्द्र सिंह सागर (पुलिस अधीक्षक, झुंझुनूं) के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत जिलेभर में गठित 60 टीमों के 257 पुलिसकर्मियों ने अलसुबह से ही मोर्चा संभालते हुए 436 स्थानों पर दबिश दी।

इस कार्रवाई में पुलिस ने 123 आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने विभिन्न श्रेणियों में वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान पुलिस ने अवैध गतिविधियों पर भी प्रभावी प्रहार किया। अभियान के दौरान कई महत्वपूर्ण मामलों में लंबे समय से फरार आरोपी भी गिरफ्तार किए गए। चिड़ावा थाना पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो

झुंझुनूं जिले में गठित पुलिस की 60 टीमों ने 436 ठिकानों पर दबिश देकर कार्रवाई की।

मामले के स्थाई वारंटी को दबोचा, उदयपुरवाटी में बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में इनामी आरोपी, खेतड़ीनगर पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में दो इनामी अपराधियों को, नवलगढ़ में अस्पताल से इंजेक्शन चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार किए। सिंघाना थाना व डीएसटी की संयुक्त टीम ने विशेष कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया, वहीं विभिन्न थानों ने अवैध शराब व अन्य मामलों में भी लगातार सफलता हासिल की। पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

हनुमानगढ़ : सड़क हादसे में बैंककर्मी की मौत

हनुमानगढ़, (निसं)। सतीपुरा बाईपास पर रविवार को हुए सड़क हादसे में एक बैंक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दुर्घटना में 2 लोगों को मामूली चोटें भी आई, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मृतक और घायल सभी लाल चौक स्थित एसबीआई की रीजनल शाखा के कर्मचारी बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार हादसे में पीलीबंगा निवासी संस्करण (35) की जान चली गई। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल अरुण और मनप्रीत कौर का राजकीय अस्पताल में इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात व्यवस्था को सामान्य किया। एएसआई कैलाशचंद मीणा ने बताया कि सभी बैंककर्मी नोहर में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकले थे। वे अलग-अलग गाड़ियों में

■ **सतीपुरा बाइपास पर कार-ट्रॉले में हुई टक्कर, दो लोग घायल हो गये**

रवाना हुए थे। इनमें से कुछ गाड़ियां भगत सिंह चौक से होते हुए टाउन मार्ग से गईं, जबकि एक गाड़ी सतीपुरा बाईपास के रास्ते निकली। बताया जा रहा है कि कार अरुण चला रहे थे, जिसकी रास्ते में एक ट्रॉले से टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे के दौरान संस्करण के नाक से खून बहने लगा था, जिससे उनकी मौत हो गई। टाउन थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

नशे में वाहन चलाने पर आठ गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से आठ मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राजेशकुमार मीणा द्वारा जिले में शराब पीकर वाहन चलाने के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही करते हुए एमवी एक्ट में मुकेश पुत्र बद्रीलाल गूर्जर निवासी जमात, रमेश पुत्र रामपाल बैरवा निवासी कैरोद, लखन पुत्र छोटू लाल डोली निवासी कैरोद, बाबूलाल पुत्र लादू लाल मीणा निवासी जलेरी थाना घाड टोंक, लक्ष्मीनारायण पुत्र राजाराम निवासी महाराजपुरा, राजेंद्र पुत्र मोहनलाल बैरवा, निवासी गोपालपुरा, बंशीलाल पुत्र ग्यारसी लाल बैरवा, निवासी बैरवा ढाणी व राकेश पुत्र शंकरलाल बैरवा दोनों निवासी निवासी भांवती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से आठ मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

उदयपुर : अक्षय तृतीया पर प्रशासन की सतर्कता से 10 बाल विवाह रुके

उदयपुर, (कासं)। अक्षय तृतीया के अवसर पर जिला प्रशासन की सक्रियता और विभिन्न संगठनों के सहयोग से उदयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में बाल विवाह रोकने में बड़ी सफलता मिली है। विशेष अभियान के तहत एक ही दिन में कुल 10 बाल विवाह रुकवाए गए, जिसमें प्रशासन की भूमिका प्रमुख रही।

जिला प्रशासन के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान में गायत्री सेवा संस्थान और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोग से उदयपुर जिले में 6, प्रतापगढ़ में 2 तथा सीकर जिले में 2 बाल विवाह रुकवाए गए। प्रशासन को मिली सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस और संबंधित विभागों ने मौके पर पहुंचकर बाल विवाहों को रुकवाया।

बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे इस अभियान के तहत प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बाल विवाह की सूचना देने पर 1100 रुपये का प्रोत्साहन दिया जाएगा तथा सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय

उदयपुर जिले में अक्षय तृतीया पर प्रशासन ने बाल विवाह रूकवाने की कार्रवाई की।

रखी जाएगी। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह करवाना या उसमें किसी भी प्रकार का सहयोग करना दंडनीय अपराध है। इसमें शामिल सभी व्यक्तियों चाहे वे परिवारजन हों, बाराती, मैरिज हॉल संचालक, कैटरर, बैंड-बाजा संचालक या विवाह संपन्न कराने वालेकृसभी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उदयपुर जिले के भेसड़ा खुर्द (डबोक थाना क्षेत्र) में प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से 6 बाल विवाह रुकवाए गए। इस दौरान एक बालक और बालिका को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर रखा गया। साथ ही संबंधित लोगों के खिलाफ पाबंद कार्रवाई भी की गई।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि

■ **जिला प्रशासन के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान में गायत्री सेवा संस्थान और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोग रहा**

अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसर की आड़ में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चला रहा है।अभियान के तहत बाल विवाह रोकने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है, जिस पर कोई भी व्यक्ति सूचना दे सकता है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे इस सामाजिक बुराई के खिलाफ आगे आकर सहयोग करें, ताकि बच्चों का सुरक्षित और बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

84 वर्षीय किसान से कृषि भूमि ठेके पर देने के नाम पर ठगी

नापासर, (निसं)। थाना क्षेत्र में 84 वर्षीय वृद्ध किसान के साथ धोखाधड़ी और चोरी का मामला सामने आया है। किसान ने आरोप लगाया है कि उसकी कृषि भूमि ठेके पर लेने के नाम पर आरोपियों ने राशि का भुगतान नहीं किया, बल्कि उसकी ढाणी से 50 हजार रुपये नकद भी चुरा लिए।

परिवादी के अनुसार, उसने अपनी कृषि भूमि (खसरा नंबर 76 स्थित ट्यूबवेल व ढाणी सहित) मनोज सुथार पुत्र बृजमोहन सुथार के माध्यम से काश्तकार लिछीराम जाट निवासी केसरदेसर जाटान को ठेके पर दी थी। यह ठेका 15 अप्रैल को 4,65,000 रुपये वार्षिक पर तय हुआ था। समझौते के तहत, बीज, बुआई और रखरखाव की जिम्मेदारी काश्तकार की थी।

■ **किसान का आरोप है कि उसकी कृषि भूमि ठेके पर लेने के नाम पर आरोपियों ने राशि का भुगतान नहीं किया, बल्कि उसके 50 हजार रुपये भी चुरा लिए**

किसान का आरोप है कि ठेका लेने के बाद दोनों आरोपी उसे लगातार परेशान करने लगे। 18 सितंबर 2025 को उसकी ढाणी में बने कमरे का ताला तोड़कर 50 हजार रुपये चोरी कर लिए गए। जब उसने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और पुलिस में ऊपर तक पहुंच होने की धमकी दी। परिवादी ने बताया कि उसने इससे पहले 5 अक्टूबर 2025 को भी शिकायत दर्ज करवाई थी। हालांकि, नापासर पुलिस द्वारा उस पर उचित कार्रवाई नहीं की गई। किसान का आरोप है कि पुलिस ने उसे बिना सूचना दिए ही समझौते की रिपोर्ट लगा दी, जिस पर उसने आपत्ति जताई है।

अब परिवादी ने पुनः रिपोर्ट दर्ज कराकर मनोज सुथार और लिछीराम जाट के खिलाफ धोखाधड़ी, चोरी, नुकसान पहुंचाने और एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य उचित धाराओं में मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष ने ओछी राजनीति की : भजनलाल शर्मा

महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह विधेयक मील का पत्थर साबित होता, परंतु कांग्रेस ने स्वार्थ की राजनीति से इसे काला अध्याय बना दिया : मुख्यमंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष ने ओछी राजनीति की। इस ओछी मानसिकता के कारण देश की करोड़ों माताओं-बहनों के अरमानों पर पानी फेर दिया गया। अगर यह विधेयक पारित होता तो महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होता, परंतु विपक्ष ने स्वार्थ की राजनीति के चलते इसे काला अध्याय बना दिया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को रोककर विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया है, जिसे महिला वर्ग कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों के तहत 'नारी शक्ति वंदन' जैसे प्रयास देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन विपक्ष ने इसमें सहयोग नहीं किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह बात रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कही।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर पत्रकारों से बातचीत की। उनके साथ केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी मौजूद थी।

- विपक्ष ने ओबीसी महिला, परिसीमन एवं दक्षिण भारत के नाम पर भ्रम फैलाया, क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने का प्रयास : भजनलाल शर्मा
- सदन में अधिनियम रोकने के बाद विपक्ष ने जीत का जश्न मनाया, यह लोकतंत्र के इतिहास में बेहद शर्मनाक पल : केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

उन्होंने संविधान संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून विधेयक को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। भजनलाल शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा जैसे दलों ने इन विधेयकों का समर्थन नहीं कर महिलाओं के अधिकारों के प्रति अपनी उदासीनता उजागर की है। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन से जुड़े प्रयासों को रोकना महिलाओं का अपमान है। यह अवसर देश के संसदीय इतिहास में स्वर्णिम अध्याय बन सकता था, लेकिन विपक्ष के रवैये के कारण ऐसा नहीं हो सका। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने ओबीसी महिला, परिसीमन और दक्षिण भारत के नाम पर भ्रम फैलाकर क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने की कोशिश की।

मुख्यमंत्री शर्मा ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इतने गंभीर विषय पर उनसे जिम्मेदार प्रतिक्रिया की अपेक्षा थी, लेकिन वे हल्की टिप्पणियां करते नजर आए। ममता बनर्जी के रुख को भी उन्होंने महिलाओं के हितों के विपरीत बताया। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया और जब अधिकारों को संवैधानिक रूप देने का समय आया, तब पीछे हट गई। उन्होंने शाहबानो प्रकरण और तीन तलाक जैसे मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मामलों में भी कांग्रेस का रुख महिलाओं के हित में नहीं रहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन' केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का आधार है। उन्होंने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन और 'लखपति दीदी' जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संसद में आई बाधाओं के बावजूद एनडीए सरकार महिला सम्मान और सामाजिक न्याय की दिशा में अपने प्रयास जारी रखेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि देश की मातृशक्ति समय आने पर इसका लोकतांत्रिक जवाब देगी।इस दौरान केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने भी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति को सदैव पूजनीय माना गया है और सरकार ने इसी सोच के साथ अपनी योजनाओं को लागू किया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए, 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से लगभग 10 करोड़ महिलाएं जुड़ी हैं और 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि देश की माताओं-बहनों का प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अटूट विश्वास है, लेकिन 16 और 17 अप्रैल को जिस विधेयक पर पूरे देश की नजर थी, उसमें विपक्ष ने बाधाएं खड़ी कर दीं। उन्होंने सदन में प्रतिपक्ष के नेता के रवैये को शर्मनाक बताते हुए कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी ने इस विधेयक का श्रेय सभी सांसदों को देने की बात कही, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसके बाधित होने के बाद जश्न मनाता नजर आया।

सावित्री ठाकुर ने कहा कि देश की बढ़ती आबादी को देखते हुए परिसीमन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि परिसीमन होने के बाद किसी भी राज्य की सीटों में कमी नहीं होगी, इसका आश्वासन भी प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया था, लेकिन विपक्ष ने भ्रम फैलाकर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले इस विधेयक का समर्थन नहीं किया। पत्रकार वार्ता में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, भाजपा उपाध्यक्ष डॉ. अलका मूंदड़ा, सरिता गैना, सांसद मंजू शर्मा, प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ और डॉ. मूर्ति मीणा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर सेंट्रल जेल में आरएसी जवान की गोली लगने से मौत

आत्महत्या या हादसा, इसकी जांच में जुटी पुलिस

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में रविवार सुबह टावर ड्यूटी पर तैनात एक आरएसी जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान आरएसी 10वीं बटालियन के कांस्टेबल गिरधारी लाल (38) निवासी कुशलपुरा जमवारामगढ़ जयपुर ग्रामीण के रूप में हुई है।

गिरधारी लाल

थानाधिकारी प्रकाश राम बिश्नोई ने बताया कि गिरधारी लाल की ड्यूटी सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक टावर नंबर-2 पर थी। वह सुबह मेस से खाना खाकर ड्यूटी पर पहुंचे थे। करीब 11 बजे अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद जेल स्टाफ मौके पर पहुंचा। जवान टावर के पास बने अस्थाई बैरक के पास लहूलुहान हालत में पड़ा मिला।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल जवान को तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

थानाधिकारी प्रकाश राम बिश्नोई ने बताया कि जवान के सीने में सर्विस राइफल से गोली लगी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गोली उसकी ही सर्विस राइफल से चली।

पुलिस दो एंगल से मामले की जांच कर रही है। एक संभावना यह जताई जा रही है कि जवान ने राइफल को जमीन पर टिकाकर बैरल को सीने पर लगाकर ट्रिगर दबाया, जिससे गोली सीधे सीने में लगी। वहीं दूसरी ओर यह भी आशंका है कि राइफल की सफाई के दौरान हादसतन गोली चल गई हो।

डिप्टी एसपी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह आत्महत्या का मामला है या हादसा।

मुख्यमंत्री जवाब दें 2023 के कानून को क्यों अटकाया केंद्र सरकार ने? : टीकाराम जूली

बिना जातिगत जनगणना के ओबीसी महिलाओं के साथ अन्याय कर रही है भाजपा : नेता प्रतिपक्ष

जयपुर (कासं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के रविवार को की गयी प्रेस वार्ता में विपक्ष पर लगाए आरोपों को सिरे से नकारते हुए तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के मुखिया पूरी तरह से दिल्ली के रिमोट कंट्रोल से संचालित हैं। वहां से जो स्क्रिप्ट लिखकर दी जाती है, मुख्यमंत्री बिना अपना विवेक लगाए उसी को यहां दोहरा देते हैं।

- जूली ने पूछा कि "नारी शक्ति वंदन तो 3 साल पहले ही पास हो चुका, लागू कब करोगे?"

जूली ने तंज कसते हुए कहा कि जिस पार्टी ने एक कद्दावर महिला नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को दरकिनार कर दिया, वह आज महिला सम्मान की बात कर रही है? क्या एक महिला मुख्यमंत्री की जगह खुद को थोपना ही भाजपा का असली महिला सम्मान है? प्रधानमंत्री मोदी की तरह मुख्यमंत्री भी राजस्थान में पर्चों पढ़कर प्रदेशवासियों को भ्रमित करने का असफल प्रयास कर रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि शायद मुख्यमंत्रीजी को याद नहीं है कि वर्ष 2023 में यह बिल तो सर्वसम्मति से पास हो गया था, हाँ लेकिन सरकार ने इसे लागू करने की नीयत नहीं दिखाई है। जूली ने सवाल उठाया कि जब साल 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से महिला आरक्षण विधेयक पारित कर दिया था, तो भाजपा सरकार पिछले तीन वर्षों से कुंभकर्णी नींद क्यों सो रही थी? इसे अभी तक लागू क्यों नहीं किया गया? जूली ने कहा कि पूरा विपक्ष और हमारे नेता राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे लगातार मांग कर रहे हैं कि आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। परंतु भाजपा ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए इसमें परिसीमन और जनगणना का पेच फंसाकर इसे अनिश्चितकाल के लिए अटका दिया है। यह महिलाओं के अधिकारों के साथ किया गया सबसे बड़ा विश्वासघात है।

भाजपा के हालिया संशोधन विधेयकों पर प्रहार करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसमें दो गहरे षड्यंत्र छिपे हैं। पहला सीटों का मनमाना परिसीमन करना, ताकि भाजपा लंबे समय तक सत्ता पर काबिज रह सके। दूसरा, महिला आरक्षण को चुनावी लाभ का झुनझुना बनाना। जूली ने कहा कि भाजपा 2011 की जनगणना के पुराने आंकड़ों के आधार पर परिसीमन की छूट चाहते है, जो संसाधनों और न्याय के साथ खिलवाड़ है। भाजपा का असल मकसद महिलाओं को हक देना नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना है।

जूली ने स्पष्ट किया कि जब तक जातिगत जनगणना नहीं होगी, तब तक एससी, एसटी और विशेष रूप से ओबीसी वर्ग की महिलाओं को आरक्षण का वास्तविक लाभ मिलना नामुमकिन है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार ऐसा स्पष्ट बिल क्यों नहीं लाई जिससे समय पर जनगणना होकर सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व मिल सके?

गोविंददेवजी ने धारण की केसरिया धोती

जयपुर। ठिकाना मंदिर गोविंद देव जी में अक्षय तृतीया का पर्व भक्तिभाव से उत्सव चंदन यात्रा के रूप में मनाया गया। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह मंगला झांकी के बाद ठाकुर श्रीजी का पंचामृत अभिषेक कर शीतलता प्रदान करने के लिए विशेष केसर युक्त चंदन का लेप किया और आराध्य देव को केसरिया धोती भी पहनाई गई।

गोविंद देव जी मंदिर प्रवक्ता मानस गोस्वामी ने बताया कि अक्षय तृतीया पर ठाकुरजी को पीले रंग की धोती और दुपट्टा धारण करवाया गया। ठाकुरजी के सिर पेच हटाकर कलंगी श्रृंगार हुआ। इसके बाद ठाकुर जी को ठंडे व्यंजनों में शर्बत, ठंडाई, सत्तु, भीगी हुई चना दाल और पंचमेवा के साथ तरबूज का भोग लगाया गया। मंदिर प्रबंधक मानस गोस्वामी ने बताया कि चंदन यात्रा उत्सव के लिए जो चंदन लेप किया गया उस चंदन की तैयारी एक माह पूर्व ही प्रारंभ कर दी थी। श्रीजी को नवीन केसरिया धोती और दुपट्टा धारण कराकर गर्भ गृह में कूलर और पंखा सेवा भी प्रारंभ की गई। गर्मी अधिक होने के कारण ठाकुरजी को शीतल व्यंजनों का भोग लगना शुरू हुआ।

आई.पी.एल. मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते दो सटोरिये पुलिस के हत्थे चढ़े

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रामगंज और जालूपुरा थाना पुलिस ने ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आईपीएल मैच पर सट्टा लगाते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लैपटॉप, मोबाइल फोन, रजिस्टर व नकदी सहित सट्टे से जुड़ा सामान बरामद किया है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) राशि डोगरा ने बताया कि जिले में जुआ-सट्टा माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि रामगंज इलाके के भिस्तियों का मोहल्ला स्थित एक मकान में आईपीएल के सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच चल रहे मैच पर सट्टा लगाया जा रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तोपखाना हुजूरी क्षेत्र में एक कमरे में दबिश दी, जहां आरोपी शकील अहमद (54) को सट्टा लगाते गिरफ्तार किया गया। आरोपी मूल रूप से जालूपुरा का निवासी है और वर्तमान में रामगंज में किराए के मकान में रह रहा था।

पुलिस के अनुसार आरोपी जूम ऐप के जरिए ग्राहकों से सट्टा ले रहा था और मौके से पुलिस ने आरोपित के पास से 4 मोबाइल फोन (जिन पर मैच व सट्टे के भाव चल रहे थे),1 डेल लैपटॉप (चार्जर सहित),वाई-फाई राउटर (एयरटेल),हिसाब-किताब के रजिस्टर और 5500 रुपए नकद सट्टा राशि भी की गई है। इस कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी सुभाष चंद्र, उपनिरीक्षक साबिर, मोहम्मद इस्लाम व रामलाल सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क व अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

वहीं जालूपुरा पुलिस जयपुर ने आईपीएल क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगाने के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जिसमें लाखों रुपए के सट्टे का हिसाब-किताब मिला है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि आईपीएल मैचों में सट्टेबाजी पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त द्वितीय बजरंग सिंह के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली राजेन्द्र कुमार मीणा के पर्यवेक्षण में जालूपुरा थाना प्रभारी हवा सिंह मंगावा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गश्त और निगरानी के दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर छोटी मस्जिद के पास स्थित एक मकान में दबिश दी, जहां आरोपी मनीष खंडेलवाल (50) निवासी विद्याधर नगर को आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते हुए पकड़ा गया। आरोपी अपने मोबाइल में 9.CO के जरिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स के मैच पर करीब 6.04 लाख रुपए की लाइन लेकर सट्टा खिला रहा था। जांच में आरोपी के मोबाइल के व्हाट्सएप में कई लोगों के साथ लाखों रुपए के लेन-देन और सट्टे से संबंधित चैटिंग भी मिली है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

बैंक में दीवार तोड़ घुसे बदमाश, सेफ नहीं तोड़ सके

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस जयपुर क्षेत्र में स्थित बैंक में चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देने की कोशिश नाकाम हो गई। बदमाश दीवार में सेंध लगाकर बैंक के अंदर घुसे और तिजोरी कक्ष तक पहुंच गए, लेकिन सेफ नहीं तोड़ सके। असफल होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार जगतपुरा निवासी जय कुमार मीणा (41), जो दांतली स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा के सीनियर मैनेजर हैं, ने इस संबंध में मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर शाम बैंक बंद कर सभी कर्मचारी चले गए थे। देर रात बदमाशों ने बैंक को निशाना बनाया।

बदमाशों ने बैंक के सर्वर रूम की पिछली दीवार में करीब 2 2 फीट का छेद कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद तिजोरी कक्ष का लॉक तोड़कर गोल्ड सेफ और डॉक्यूमेंट सेफ को खोलने का प्रयास किया, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद वे सफल नहीं हो सके। अगले दिन शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे बैंक खोलने पर घटना का पता चला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

राजस्थान शतरंज एसो. के चुनाव पर दखल से हाईकोर्ट ने इनकार किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान शतरंज एसोसिएशन के चुनाव से संबंधित विवाद पर दखल से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि चुनाव अधिकारी व एसोसिएशन के नए पदाधिकारी के भाई होने के आधार पर चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित होने का आरोप लगाया गया है, जबकि इस तरह के मामले पर याचिका दायर ही नहीं की जा सकती। इसके लिए, वैकल्पिक कानूनी प्रावधान उपलब्ध है।

- कोर्ट ने कहा कि चुनाव अधिकारी व एसोसिएशन के नए पदाधिकारी के भाई होने के आधार पर चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित होने का आरोप लगाया गया है, जबकि इस तरह के मामले पर याचिका दायर ही नहीं की जा सकती।

न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह व न्यायाधीश अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने राजस्थान शतरंज एसोसिएशन की अपील को मंजूर करते हुए यह आदेश दिया। एसोसिएशन के 4 मार्च को होने वाले चुनाव पर एकलपीठ की एकलपीठ ने रोक लगा थी और सहकारिता रजिस्ट्रार से प्रशासक लगाने को कहा गया था। अपीलार्थी की ओर से कहा गया कि एसोसिएशन राज्य स्तरीय खेल संघ है और 4 मार्च को हुए चुनाव में अपीलार्थी को सचिव चुना जा चुका है, वहीं पुरानी कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त होने के कारण एकलपीठ में याचिका दायर करने वाले पक्षकार को हाईकोर्ट आने का अधिकार ही नहीं था। साधारण सभा में हुए चुनाव के आधार पर अपीलार्थी ने पदभार भी संभाल लिया। इसके विपरीत एकलपीठ में याचिका दायर करने वाले पक्षकार की ओर से खंडपीठ में कहा गया कि अपीलार्थी को इस मामले में अपील दायर करने का अधिकार ही नहीं था, अपीलार्थी का भाई चुनाव अधिकारी होने के कारण चुनाव की निष्पक्षता भी नहीं रही। इस पर अदालत ने कहा कि भाई के चुनाव अधिकारी होने का मुद्दा याचिका के माध्यम से अदालत में नहीं लाया जा सकता। इस मामले में हाईकोर्ट कोई तथ्यों की जांच करने वाला कोर्ट नहीं है। इस मामले से जुड़े तथ्य आधारित विवादों को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर नहीं की जा सकती। इसके अलावा जिस पर आरोप लगाए गए है, कोर्ट उसका भी पक्ष सुनने को बाध्य है।

पिता-पुत्र पर बीच सड़क में हमला

जयपुर। विद्याधर नगर पुलिस जयपुर क्षेत्र में दिनदहाड़े कार गैरेज पर 10-15 बदमाशों ने पिता-पुत्र पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। भीड़ जुटने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार नया खेड़ा निवासी दीपक सैनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। वह मालरोड स्थित उनकी सैनी कार एसी नाम से गैरेज है। रविवार सुबह करीब 10:15 बजे वह एक कार ठीक कर बाहर निकाल रहे थे, तभी ओवरस्पीड में आ रही दूसरी कार से हल्की टक्कर हो गई। इस पर कार सवार युवक ने गाली-गलौज की और कहासुनी के बाद वहां से चला गया। कुछ देर बाद वही युवक 10-15 साथियों के साथ गैराज पर लौटा और दीपक सैनी व उनके दोनों बेटों राहुल व मनीष पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। तीनों को जमकर पीटा गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो हमलावर भाग निकले। जाते समय उन्होंने धमकी दी कि अब तो बच गए, फिर आकर जान से मार देंगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों का मेडिकल करवाया और मौके से साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान में गिरावट

- मौसम विभाग ने आगामी 4-5 दिनों में राज्य के कुछ हिस्सों में हीटवेव की संभावना जताई है

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के कई शहरों में आई आंधी-बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। दिन के तापमान में करीब 2 डिग्री और रात के तापमान में 5 डिग्री तक की कमी आई, जिससे लोगों को अस्थायी राहत मिली। हालांकि मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि विक्षोभ का असर समाप्त होने के साथ ही एक बार फिर तापमान में बढ़ोतरी होगी।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के 14 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया। इनमें कोटा का दिन सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि जयपुर की रात 27.5 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रही। इसके अलावा वनस्थली, अलवर, पिलानी, चित्तौड़गढ़, डबोक, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, चूरू, डूंगरपुर, फतेहपुर और करौली में भी दिन का तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। रविवार को प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहा और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किए गए। वहीं फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे कम रहा। राजधानी जयपुर में दिनभर हल्के और छितराए बादल छाए रहे तथा हवाएं चलती रहीं, जिससे दिन के तापमान में मामूली गिरावट आई।

परशुरामजी शस्त्र-शास्त्र के मर्मज्ञ, अन्याय व अनाचार का प्रतिरोध करने वाले ऋषि : बागड़े

राज्यपाल ने भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह में उनकी पूजा आरती की

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को बिड़ला सभागार में अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित प्रदेश स्तरीय पूजा आरती में भाग लिया। उन्होंने भगवान परशुराम की छवि पर पुष्प अर्पित कर उनकी विधिवत आरती उतारी और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और संपन्नता की कामना की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को बिड़ला सभागार में अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित किया।

राज्यपाल ने जयंती समारोह में भगवान परशुराम के जीवन प्रसंगों की चर्चा करते हुए कहा कि वह शस्त्र और शास्त्र के ही मर्मज्ञ नहीं थे, अन्याय और अनाचार का प्रतिरोध करते जीवन में आदर्श की स्थापना के प्रेरक हैं। उन्होंने भगवान परशुरामजी के अवतरण दिवस की बधाई देते हुए कहा कि अक्षय तृतीया बौद्धिक क्षमताओं के विकास से जुड़ा पर्व है। वेद व्यासजी ने इसी दिन विघ्न विनाशक गणेश को महाभारत लिखने के लिए राजी किया था।

राज्यपाल ने कहा कि परशुराम जी बुद्धि और ज्ञान का समन्वय रखने वाले ऋषि है। उनकी जयंती भगवान परशुराम जी को स्मरण करने का अवसर नहीं है, यह उनके आदर्शों-त्याग, तप, शौर्य, और धर्म रक्षा की प्रतिज्ञा को अपने जीवन में उतारने तथा अन्याय के विरुद्ध निर्भीकता से खड़े होने का संकल्प लेने का पर्व है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम जी ने जब पृथ्वी पर अधर्म को, अन्याय को और दुष्ट शक्तियों को बढ़ते देखा तो विनाश के लिए, अवतार धारण किया था। उनके हाथ में धारण किया गया फरसा उनकी वीरता, पराक्रम और धर्म की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने भीष्म, द्रोण और कर्ण को शस्त्र विद्या का ज्ञान दिया। उनका मूल नाम राम था। पर, उन्होंने अपने आराध्य भगवान शिव द्वारा प्रदत्त परशु (कुल्हाड़ी) धारण की इसलिए उन्हें परशुराम कहा जाने लगा। इससे पहले राज्यपाल ने परशुराम जी पर निर्मित फिल्म भी देखी। उन्होंने वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का आव्हान किया।

परशुराम ज्ञानपीठ से आरएएस में 54 अभ्यर्थियों का चयन

जयपुर। विप्र फाउंडेशन द्वारा संचालित परशुराम ज्ञानपीठ ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ज्ञानपीठ में आयोजित मॉक इंटरव्यू के माध्यम से आरएएस परीक्षा में 54 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इस सफलता के उपलक्ष्य में परशुराम जयंती के पावन अवसर पर ज्ञानपीठ भवन में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर जश्न मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान भगवान परशुराम की महाआरती कर प्रसाद स्वरूप मिठाई वितरित की गई।

इस विशेष आयोजन में सिविल लाइंस से विधायक एवं विप्र फाउंडेशन के संरक्षक गोपाल शर्मा तथा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस.एन. श्रीमाली (मुंबई) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने इस धरती को जो दिया है, वह अद्वितीय और अनुपम है। उन्होंने कहा कि परशुराम जी चिरंजीवी हैं और उनकी प्रेरणा आज भी समाज को मार्गदर्शन प्रदान कर रही है।

इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजीनियर अमन, विमलेश शर्मा, नरेंद्र हर्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतीश शर्मा, रामगोपाल शर्मा, राष्ट्रीय सचिव अजय पारीक मौजूद थे।

सार-समाचार

विवाह बंधन में बंधने के साथ पर्यावरण को बचाने के लिए दुल्हा-दुल्हन को पौधे दिए

कोटा, (निसं)। वीर गुर्जर उत्थान समिति द्वारा तृतीय सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं परिचय सम्मेलन का ग्राम रोझड़ी देवनारायण मंदिर के पास आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी अंकित गोचर ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन में 10 जोड़े परिणय सूत्र में बंधने के लिए आए और 30 से 35 युवक-युवतियों ने अपना परिचय दिया। सम्मेलन की शुरूआत कलश यात्रा के साथ हुई। इस कलश यात्रा में महिलाएं देवनारायण के गीतो पर नाचती गाती जा रही थी। कलश यात्रा प्रमुख मार्गो से होते हुए वापस सम्मेलन स्थल पहुंची। कलश यात्रा के बाद दूल्हों द्वारा सामूहिक रूप से तोरण मारा गया उसके बाद मंच आकर सामूहिक रूप से वरमाला डाली गई। उसके बाद वर-वधु सामूहिक रूप से फेरो के लिए एकत्र हुए और योग्य पंडितों द्वारा पूरे विधि-विधान से मंत्रोचार से वर-वधु के फेरे करवाए गए। लोगो ने नवदम्पति को परिणय बंधन में बंधने पर बधाई दी और पुष्पवर्षा की गई। फेरो के वक्त लोगो ने कन्यादान में बिछिया, पायल, नकद राशि, आदि दी। सम्मेलन में समाज के भामाशाहो द्वारा भी सहयोग किया गया। यह सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन पूर्णतः प्लास्टिक मुक्त व पर्यावरण हितकारी होगा। समिति द्वारा प्रत्येक जोड़े को गृहस्थी का सामान 21 बर्तन, बेड, कूलर, आलमारी, बाटी ओवन, सोने का नाक कांटा, और बिछिया दी जाएगी। समिति द्वारा प्रत्येक जोड़े को मंच पर दिए गए पौधो को हाथ में लेकर पर्यावरण को बचाने की शपथ ली गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल, मन्नालाल गुर्जर, अध्यक्ष रमेश सुवा, पूर्व अध्यक्ष रामरतन गोचर, सेठ रणजीत गुर्जर, बसंत सरपंच दरा, कुलदीप डायरेक्टर, डॉ.बी.एल.गोचर, सुरेश गुर्जर केमेस्ट्री क्लासेज, रामस्वरूप महाराज, रामनिवास गुर्जर आदि थे।

महात्मा हंसराज की जयंती मनाई

कोटा, (निसं)। आर्य समाज गायत्री विहार कोटा ने डीएवी स्कूल के संस्थापक महात्मा हंसराज की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई। आर्य समाज गायत्री विहार के प्रचार मंत्री मुकेश चड्ढा ने बताया कि आर्य समाज गायत्री विहार कोटा की प्रधान डॉ.सुदेश आहूजा ने महात्मा हंसराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार रखते हुए कहा कि महात्मा हंसराज जी ने महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन से प्रेरणा प्राप्त श्रद्धांजलि स्वरुप 11 जून 1886 को डीएवी स्कूल की स्थापना की। आप प्रथम मुख्य अध्यापक बनकर आजीवन अवैतनिक सेवा देते रहे, आप आर्य समाज अनारकली के प्रधान व आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के अध्यक्ष भी रहे। आपने अपने जीवन काल में शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ अंधविश्वास कुरीतियों के निवारण तथा देश में अकाल व भूकंप आदि में निस्वार्थ सेवा की। धर्मान्तरण के खिलाफ शुद्धि आंदोलन में भी आपका विशेष योगदान रहा। चड्ढा ने बताया कि कार्यक्रम का प्रारंभ पं.उमेश कुर्मी के पौरोहित्य में देवयज्ञ से हुआ। जिसमें यशवेन्द्र सिंह. सुदेश आहूजा, अरविंद पाण्डेय, द्वारका प्रसाद भार्गव, प्रकाश शर्मा, धर्मेन्द्र आहूजा, मुकेश चड्ढा आदि ने आहुतिया अर्पित की। सुशीला कुर्मी ने अब सोंप दिया इस जीवन का सब भार... गीत से कार्यक्रम की शुरूआत की। उप प्रधान अरविंद पाण्डेय ने प्रार्थना के महत्व पर प्रकाश डाला, शांति पाठ व जयघोष से कार्यक्रम का समापन हुआ।

विद्युत करंट से दस मवेशी मरे

छबड़ा, (निसं)। क्षेत्र की गुगोर ग्राम पंचायत के गांव खेड़ली में विद्युत करंट की चपेट में आने से लगभग 10 गाय व भैंसों की मृत्यु हो गई। ग्रामीण देवेंद्रसिंह खारोल ने बताया कि खेड़ली के माल में बिजली का तार टूटकर गिरने से पशुपालक राजेंद्रसिंह खारोल की 4 भैंसें, रघुवीर की एक भैंस और एक गाय तथा हंसराज मीणा की 2 भैंसें और राधेश्याम खारोल की 1 गाय व 1 बछड़े मृत्यु हो गई। पीड़ित पशुपालकों ने प्रशासन से जर्जर विद्युत लाइनों को दुरुस्त करवाने व उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है। सरपंच (प्रशासक) राजेंद्र खारोल ने इस कृत्य पर बिजली विभाग की कार्यशैली पर सवालियां निशान उठाये हैं। घटना की सूचना मिलने के साथ ही तहसीलदार यादवेंद्र यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृत मवेशियों का पोस्टमार्टम करवाया। तहसीलदार यादव ने बिजली निगम को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और पशु पालकों को उचित मुआवजा दिए के लिए भी आश्वस्त किया। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण अंचल में पशुधन ही किसानो के लिए मुख्य आय के स्त्रोत में से एक होता है, ऐसे में पीड़ित पशुपालको को कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

भाजपा सरकार महिला विरोधी, संविधान को कमजोर करने की साजिश बेनकाब : राखी गौतम

कोटा, (निसं)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी कोटा अध्यक्ष राखी गौतम ने भाजपा सरकार की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मोदी सरकार महिलाओं के सम्मान के नाम पर संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है, जो आज पूरी तरह बेनकाब हो गई है। महिला आरक्षण विधेयक सितंबर, 2023 में ही पारित हो चुका था। यदि भाजपा इतनी ही महिला हितैषी होती, तो इसे 2023 में ही लागू कर देती, लेकिन उन्होंने परिसीमन (क्मसपउपजंजपवद) की शर्त जोड़कर इसे उलझाने की कोशिश की। राखी गौतम ने कहा, जल्दबाजी और राजनीतिक लाभ के लिए लाया गया यह असंवैधानिक संशोधन विधेयक, देशहित और लोकतंत्र की कसौटी पर खरा नहीं उतरा। एकजुट विपक्ष ने मजबूती से इस साजिश को रोका और साफ संदेश दिया कि संविधान किसी सरकार की जागीर नहीं, बल्कि देश की आत्मा है। भाजपा सरकार का मकसद सिर्फ मुद्दों से भटकाना है। वह किसानों, युवाओं और महिलाओं के मुद्दों पर जनता को गुमराह कर रही है। गौतम ने कहा, संविधान के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज देश ने देख लिया कि सत्ता के अहंकार पर लोकतंत्र की जीत हुई हैं। कांग्रेस पार्टी संविधान, लोकतंत्र और महिलाओं के सम्मान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी।

हितेश दयानी अध्यक्ष, नितिन सचदेव सचिव मनोनीत

कोटा, (निसं)। सिंधु यूथ सर्किल की नई कार्यकारिणी का गठन रविवार को किया गया। जिसमे हितेश दयानी को अध्यक्ष चुना गया। चुनाव अधिकारी दीपक राजानी व अशोक आहुजा ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए कार्यकारिणी निर्विरोध चुनी गई। हितेश दयानी अध्यक्ष, नितिन सचदेव सचिव, गिरीश वनवानी को कोषाध्यक्ष के पद पर चुना गया। साथ ही अमित माखीजा सहसचिव, कपिल सेवानी उपाध्यक्ष, तरुण चेनानी सांस्कृतिक सचिव, जितेश चावला खेलकूद मंत्री एवं पंकज हरचंदानी को सोशल मीडिया मंत्री मनोनीत किया गया। ललित अलरेजा संरक्षक, भरत माखीजा को सलाहकार नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर नवनियुक्त कार्यकारिणी का नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेश बिरला द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। बिरला ने सभी को समाहित, राष्ट्रहित व जरूरतमंदों के सेवा करने के लिए प्रेरित किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष हितेश दयानी ने कहा कि सभी को साथ लेकर टीम भावना से अधिकाधिक जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक सरोकार के कार्य किए जाएंगे।

काम करने वाली महिला ने दिया ईमानदारी का परिचय, मोबाईल लौटाया

कोटा, (निसं)। घरों पर कार्य करने वाली एक निर्धन महिला ने ईमानदारी का परिचय देते हुए सड़क पर मिला मोबाईल को उसके मालिक तक पहुंचाया है। भाजपा नेता दीपक राजानी ने बताया कि घर पर कार्य करने वाली विदिशा विश्वास को एक महंगा मोबाईल मिला, उसके बाद उन्होंने दीपक को पूरी बात बताई और मोबाईल सम्बंधित को लौटाने का निवेदन किया, दीपक ने इस मामलें में प्रयास किया और दीपा पिंजानी को मोबाईल लौटा दिया। दीपा अपने पौते को छोड़ने शक्ति नगर स्थित एक स्कूल जा रही थी, तभी रास्ते में उनका मोबाईल गिर गया। मोबाईल विदिशा विश्वास को यह मोबाईल रास्ते में मिला, उसके बाद दीपक राजानी के सम्पर्क में आकर दीपा पिंजानी को उनका मोबाईल लौटा दिया गया। मोबाईल लौटाने के बाद परिजनों ने व दीपा ने विदिशा का आभार जताया और इस ईमानदारी के कार्य के लिए उनकी दिल की गहराईयों से प्रसन्शा की।

प्राकट्य उत्सव धूमधाम से मनाया

छबड़ा (निसं)। ब्राह्मण समाज ने रविवार को भार्गव धर्मशाला में भगवान परशुराम का प्राकट्यय उत्सव धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पूजा-अर्चना और आरती की, जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान भागवत कथा वाचक पंडित आचार्य रमेशचंद शास्त्री ने भगवान परशुराम की जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से सदमार्ग पर चलने और अपने आचार, विचार तथा आचरण में शुद्धता लाने का निवेदन किया।

भगवान परशुराम का प्राकट्य महोत्सव श्रद्धा के साथ धूमधाम से मनाया

कोटा में भगवान परशुराम का प्राकट्य महोत्सव में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मौजूद रहे।

कोटा, (निसं)। वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया) पर भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का प्राकट्य महोत्सव संभाग भर में धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रवक्ता रमेश चंद्र गौतम ने बताया कि श्रीहरि विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का प्राकट्य महोत्सव श्रद्धा के साथ धूमधाम से मनाया गया घर-घर में ब्राह्मण बंधुओं ने पूजा-अर्चना की।

वहीं शोभायात्रा आयोजन समिति के संयोजक बाबा शैलेन्द्र भार्गव के नेतृत्व में सुबह 8.30 बजे आयोजन समिति के ब्राह्मण-बंधुओं ने परशुराम वाटिका पहुंचे कर विद्वान पंडितों के साथ बाबा शैलेंद्र भार्गव एवं पंडित विवेक गौतम ने अपने आराध्य भगवान परशुराम की प्रतिमा का मंत्रोच्चरण से पूजा-अर्चना के साथ दुग्ध, जलाभिषेक व रूद्राभिषेक किया तत्पश्चात कतारबद्ध शंख ध्वनि के साथ महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रहे, अध्यक्षता कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा साथ ही महान सेनानी चंद्रशेखर आजाद के पौत्र अमित आजाद भी उपस्थित रहे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने उद्बोधन में कहा की आज का दिन भगवान परशुराम के जन्म के रूप में मनाया जाता है, जो सत्य, साहस और धर्म की स्थापना के प्रतीक हैं। जब पृथ्वी पर अत्याचारी और अन्यायी राजाओं ने पाप की सीमा पार कर दी थी और प्रजा त्राहि-त्राहि कर उठी थी, तब भगवान परशुराम ने अन्याय के खिलाफ फरसा (शस्त्र) उठाया।

परशुराम जी ने अन्याय, अहंकार और अत्याचार का अंत कर न्याय की पुनः स्थापना की। उनका उद्देश्य वर्ग विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि अधर्म के खिलाफ खड़ा होना था। वही विधायक संदीप शर्मा ने परशुराम जयंती की बधाई देते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा की भगवान परशुराम केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि परम ज्ञानी ऋषि थे। उन्होंने शिवजी से अस्त्र-शस्त्र प्राप्त किए थे और वे विद्या, विवेक और साहस के प्रतीक माने जाते हैं। वे चिरंजीवी और गुरु भी है।

इस अवसर पर रामस्वरूप शर्मा, राजेंद्र गौतम, अनिल तिवारी, रविंद्र त्यागी, प्रदीप दाधीच, ईश्वर शर्मा, धर्मेंद्र दीक्षित, किशन पाठक, विशाल शर्मा, अरुण भार्गव, आकाश भार्गव, डॉ.मनोज शर्मा, लोकपाल जगदीश शर्मा, राजेंद्र शर्मा, दिनेश शर्मा, एस.एन. शर्मा, रघुवीर शर्मा, सुनीत शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, सुनील गौतम, डॉ. मनीष तिवारी, दिलीप औदिच्य, नहुष व्यास, राकेश शर्मा, बालचंद फौजी, लहरी शंकर गौतम, एमएम शर्मा, गोपाल शर्मा, नरेश पालीवाल, नन्द किशोर शर्मा, नवीन शर्मा, ओम प्रकाश टंकारिया, अनिल शर्मा, भारत उपाध्याय, प्रदीप बोहरा, सीता राम शर्मा, देवेंद्र शर्मा, बसंत शर्मा, डॉ.शीला तिवारी, वर्षा दीक्षित, शीला तिवारी, सिंपल शर्मा, सीता शर्मा, गीता शर्मा, प्रमोद शर्मा, सोनू गौतम, ललित शर्मा, नवल शर्मा सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण बंधु उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर श्री मंगलमय चमत्कारी धाम में यज्ञशाला हेतु भूमि पूजन एवं ध्वजारोहण सम्पन्न

- 6 से 15 मई तक भव्य श्री विनायक स्थापना, नर्मदेश्वर स्थापना, महायज्ञ व भागवत कथा आयोजित
- विधायक संदीप शर्मा ने धर्म ध्वज का पूजन एवं ध्वजारोहण किया

कोटा, (निसं)। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर रविवार को अभिजीत मुहूर्त में श्री मंगलमय चमत्कारी धाम विज्ञान नगर पर आगामी 6 मई से 15 मई तक आयोजित होने वाले भव्य धार्मिक कार्यक्रमों के निमित्त यज्ञशाला निर्माण हेतु विधिवत भूमि पूजन एवं ध्वजारोहण समारोह संपन्न हुआ।

महंत पंडित अशोक तिवारी के सानिध्य में पंडित अशोक, पंडित रामावतार एवं पंडित सुनील द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरे विधि-विधान से भूमि पूजन कराया गया। इस अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा तथा उपस्थित श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ अर्जित किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में हाड़ौती संत समाज की ओर से महामंडलेश्वर रामदास महाराज (कुन्हाड़ी) एवं महामंडलेश्वर रामदास महाराज (कोटेश्वर लटूरी) ने विधिवत रूप से भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया। हरिद्वार से पधारी महामंडलेश्वर मैत्री गिरी एवं महामंडलेश्वर हेमा सरस्वती विशेष रूप से उपस्थित रहीं एवं यज्ञशाला, की नींव रखी। कार्यक्रम में कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने संतो के सानिध्य में धर्म ध्वज की पूजा अर्चना की एवं धर्म ध्वजा स्थापित किया। इस अवसर पर अयोध्या धाम से अयोध्याजी सेवा समिति के अध्यक्ष राजानंद शास्त्री, श्री मंगलमय चमत्कारी धाम के महंत पंडित अशोक तिवारी सहित अन्य अतिथियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर आयोजन समिति से जुड़े कपिल शर्मा, सुरेश लखेरा, केके शर्मा कमल, पार्षद विवेक मित्तल, नरेंद्र सोनी, सुरेश प्रजापति, अशोक शर्मा (जवाहर नगर), लोकेश गोयल, मुकेश जैन, महेश विजय, कैलाश अग्रवाल, अनूप शर्मा बंटी, बृजवासी मामाजी, भारत सिह, सुरेंद्र सिह, संदीप जैन, राधेश्याम भारद्वाज, राम अवतार नागर, अंकित सोनी, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं श्री मंगलमय चमत्कारी धाम बाल सेना के सदस्य, एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि 6 मई से प्रारंभ होने वाले इस धार्मिक महोत्सव के अंतर्गत श्री विनायक स्थापना, भगवान नर्मदेश्वर की स्थापना, पंचकुंडीय महायज्ञ, श्रीमद् भागवत कथा एवं विशाल भंडारा जैसे भव्य आयोजन किए जाएंगे, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं।

जोड़े से किया रक्तदान, पारिवारिक माहौल में 23 यूनिट रक्त एकत्रित

कोटा, (निसं)। शहर में रक्तदान के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ती जा रही है। अब आमजन जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ के साथ-साथ अपने दिवंगत परिजनों की पुण्यतिथि पर भी रक्तदान शिविर आयोजित कर मानवता का संदेश दे रहे हैं। रविवार को महावीर नगर द्वितीय स्थित नाथावत परिवार द्वारा स्वर्गीय ठाकुर अखयराज सिंह नाथावत की छठी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन लायंस क्लब कोटा टेक्नो के सहयोग से किया गया, जिसमें कुल 23 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर संयोजक योगेन्द्र नाथावत एवं महेंद्र सिंह नाथावत ने बताया कि इस आयोजन में नाथावत परिवार व उनके रिश्तेदारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष विवेक राजवंशी व पूर्व पार्षद सुनील गौतम उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यदि हर परिवार अपने दिवंगत पूर्वजों की स्मृति में रक्तदान का संकल्प ले, तो विशेषकर गर्मियों में होने वाली रक्त की कमी को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। टेक्नो के निदेशक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि शिविर के साथ आयोजित स्वास्थ्य जांच में 73 लोगों की शुगर, 87 लोगों की हीमोग्लोबिन, तथा 83 लोगों का बीपी व वजन जांचा गया। शिविर का शुभारंभ जोड़ों द्वारा रक्तदान कर किया गया, जिसमें योगेन्द्र-राजेश, महेंद्र सिंह-नम्रता एवं गजराज सिंह भाटी-सुमनलता ने रक्तदान कर एक प्रेरणादायक संदेश दिया। इस दौरान प्रमुख रक्तदाता राकेश मित्तल, विमला देवी, चंद्रकला वर्मा ललित गुप्ता, सुमंत मालव, नरेंद्र सिंह प्रथम सिकरवार, मनवीर सिंह, हर्षवर्धन सिंह राठौड़ गजेंद्र सिंह, गजराज सिंह भाटी महावीर बजाज, महेंद्र सिंह नाथावत नम्रता नाथावत, बृजेश कुमार नवीन अग्रवाल मौजूद रहे।

मादक पदार्थ सहित आरोपी गिरफ्तार

भवानीमण्डी पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ कार्यवाही करते हुए बाईक व अन्य सामान जब्त किये हैं।

भवानीमंडी, (निसं)। भवानीमण्डी पुलिस द्वारा गली-मोहल्ले मे नशा बेचने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक आरोपी युवक के पास से मादक पदार्थ एमडीएमए बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर एक बाईक और नगद राशि जप्त की है। यह कार्यवाही जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देश पर की गई है।

प्रमोद कुमार पु.नि. थानाधिकारी भवानीमंडी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ व आपराधिक घटनाओं कि रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत मय जाप्ता द्वारा दौराने गश्त पीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने जयपुरिया मील भवानीमण्डी थाना भवानीमंडी से मुलजिम महेन्द्र सिंह को गिरफ्तार करते हुये मुलजिम के कब्जे 11 ग्राम 15 मिलीग्राम एमडीएमए पाउडर (मैथीलीन डाईऑक्सी मैथेम्फेटामाईन) एक मोटरसाईकिल व बेचान राशी 8 हजार रूपये को जप्त कर मुलजिम के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओ में प्रकरण दर्ज किया गया।

आरोपी द्वारा अवैध मादक पदार्थ की खरीद कर उसकी खपत कहां-कहां की जानी थी तथा अवैध मादक पदार्थों के तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग सम्मिलित है इस संबंध में आरोपी से गहनता से अनुसंधान जारी है।

अवैध रूप से कॉलोनियां विकसित करने वाले खातेदारों, व्यक्तियों के खिलाफ होगी कार्यवाही

- बिना स्वीकृति विकसित की गई कॉलोनियों में भूखण्ड खरीदने से होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के लिए संबंधित क्रेता स्वयं उत्तरदायी होगा

छबड़ा (निसं)। नगर में अवैध कॉलोनियों के भूखण्ड क्रय-विक्रय किए जाने वालों की अब खैर नही है। पालिका प्रशासन ऐसे लोगो के खिलाफ कार्यवाही करेगा। पालिका प्रशासन ने आमजन से अवैध कॉलोनियों में भूखण्ड खरीदने से बचने तथा ऐसी किसी गतिविधि की जानकारी नगरपालिका को प्रदान करने की अपील की है ताकि नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जा सके।

ईओ संदीप गहलोत के अनुसार कुछ संबंधित खातेदारों, व्यक्तियों द्वारा बिना सक्षम प्राधिकृत अधिकारी की स्वीकृति एवं बिना भूमि कनवर्जन कराए अवैध रूप से कॉलोनियों काटकर उनके भूखण्डों (प्लॉटो) का बेचान किया जा रहा है। यह कार्य नियमों के विरुद्ध है तथा ऐसे भूखण्डों का क्रय-विक्रय भविष्य में विवाद एवं कानूनी कार्रवाई का कारण बन सकता है। इसलिए आमजन किसी भी प्रकार का भूखण्ड क्रय करने से पूर्व संबंधित भूमि का कनर्वजन आदेश, सक्षम प्राधिकृत अधिकारी की स्वीकृति एवं नगरपालिका से अनुमोदन की जांच अवश्य करें।

बिना स्वीकृति विकसित की गई कॉलोनियों में भूखण्ड खरीदने से होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के लिए संबंधित क्रेता स्वयं उत्तरदायी होगा। पालिका द्वारा अवैध रूप से कॉलोनियाँ विकसित करने वाले खातेदारों, व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कडी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें कार्य रुकवाना, नोटिस जारी करना, दंडात्मक कार्रवाई एवं आवश्यकतानुसार अवैध निर्माण/विकास को हटाने की कार्रवाई शामिल होगी। ईओ के अनुसार स्टेट हाई-वे पर स्थित कॉलोनियो में स्टेट हाई-वे के मध्य से 40 मीटर रोड साइड छोडकर ही भूखण्ड खरीदे। नगरपालिका क्षेत्र में स्थित अवैध कालोनियो के सर्वे के लिए नगर के हल्का पटवारी को अवगत करवा दिया गया है। हल्का पटवारी द्वारा अवैध कॉलोनियों का सर्वे किया जा रहा है।

निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

कोटा, (निसं)। अमृत सेवा संस्थान एवं यादव समाज गूंज महिला मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को रामलीला दशहरा मैदान, सीएडी सर्किल, कोटा पर निःशुल्क सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन में हाड़ौती संभाग सहित मध्यप्रदेश तक से आए कुल 25 जोड़े पारंपरिक वैदिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के बीच विवाह बंधन में बंधे। विशेष उल्लेखनीय रहा कि इन 25 जोड़ों में एक दिव्यांग जोड़ा भी शामिल रहा, जो उपस्थित जनसमुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में समानता, सहयोग और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं।

युवक पर जानलेवा हमला

- पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में कुछ बदमाशों ने एक युवक पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर उसे घायल कर दिया, युवक को घायलावस्था में उपचार के लिये एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार पीयूष जेठी नाम के युवक पर रंजिश के चलते 7-8 बदमाशों ने चाकू सरिये सहित अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया और हमलावर मौके से फरार हो गये।

हमले में घायल पीयूष जेठी को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। नान्ता थाने के थानाधिकारी महेश कुमार आरपीएस (प्रो.) ने बताया कि इलाके के निवासी पीयूष जेठी पर कुछ बदमाशों ने हमला कर उसे घायल कर दिया।

थानाधिकारी ने बताया कि हमले में घायल युवक की रिपोर्ट पर दो नामजद सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, मामले की जांच कर हमलावरों की तलाश की जा रही है।

झगड़े में छात्र घायलः- वहीं जवाहर नगर थाना इलाके में कुछ छात्रों द्वारा किसी बात को लेकर हुई कहासुनी के बाद एक छात्र के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। इस मामले में भाजपा नेता दीपक राजानी के नेतृत्व में व्यापारियों ने परिजनों के साथ जवाहर नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि नाबालिग छात्रों में झगड़े का मामला सामने आया, व्यापारियों ने मामले में कार्यवाही की मांग को लेकर ज्ञापन दिया है, फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अक्षय तृतीया पर कई युवा बने हमसफर

छबड़ा (निसं)। अक्षय तृतीया के अबूझ सावा होने पर कई स्थानों पर शादी समारोह की धूम रही, वहीं शुभमुहूर्त में किसानों ने हल जोत कर खेतों में हंकाई की शुरूआत की। तो शुभ मुहूर्त में दूल्हा-दुल्हन ने अग्नि को साक्षी मानकर जीवन साथी का हाथ थामा, फेरे लेकर एक-दूसरे का जीवनभर साथ निभाने का वचन लिया। परिजनों वे उन्हें शुभाकामनाएं, आशीर्वाद व उपहार दिए। वहीं शहर में कई मैरिजहॉल में शहनाई गूंजी, कहीं बारात में विवाह का उल्लास छाया हुआ था तो कहीं बेटी की विदाई का माहौल।

अक्षय तृतीया पर रविवार को खूब खरीदारी हुई और बाजारों में चहल-पहल रही। ऐसे में व्यापारियों के चेहरे भी खिले रहे। आभूषणों के साथ अन्य उत्पादों की भी खूब खरीदारी हुई। वहीं, यहां शादियां भी बडी संख्या में हुई। ऐसे में देर रात तक सडकों पर चहल-पहल रही। वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता है।

यह तिथि खरीदारी समेत सभी मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मानी जाती है। साथ ही अबूझ मुहूर्त वाली तिथि है, जिसे स्वयं सिद्ध तिथि भी कहते हैं। व्यापारियों को अक्षय तृतीया से काफी उम्मीद थी और सुबह से ही लोग खरीदारी के लिए पहुंचने लगे थे। सर्राफा की दुकानों पर भी रौनक रही। नए-नए डिजाइन के आभूषणों को पसंद किया गया। काफी लोगों ने इस तिथि पर डिलीवरी के लिए पहले ही आभूषण बनने के लिए दिए हुए थे। शहर की सर्राफ की दुकानों पर भीड़ देखने को मिली। सर्राफा व्यापारी बताते है कि कुल मिलाकर कारोबार ठीक रहा। हालांकि ज्यादातर ग्राहक सामान्य रूप से खरीदारी करने वाले थे। कुछ लोगों ने शगुन के रूप में कोई हल्की ज्वैलरी खरीदी है।

वहीं, बर्तनों के साथ ही इलेक्ट्रानिक उत्पाद और दोपहिया वाहनों की भी बिक्री हुई। व्यापारी वर्ग का मानना है कि इस बार कारोबार का संतोषजनक रहा है। गर्मी को देखते हुए ज्यादातर लोग रात की शादी कर रहे हैं। ऐसे में शाम से ही सडकों पर वाहनों की आवाजाही बढ़ गई थी। पंडित सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि सनातन धर्म में प्रत्येक कार्य के लिए शुभ मुहूर्त की आवश्यकता होती है। लेकिन शास्त्रों के अनुसार कुछ ऐसी तिथि होती हैं, जिसमें शुभ मुहूर्त जानने की जरूरत नहीं होती है। उन्हीं में से एक अक्षय तृतीया भी है।

कोटा में मीडिया द्वारा आध्यात्मिक जागरण से विश्व परिवर्तन विषय पर सेमिनार आयोजित

- कोटा में मीडिया द्वारा आध्यात्मिक जागरण से विश्व परिवर्तन विषय पर सेमिनार आयोजित

कोटा में मीडिया द्वारा आध्यात्मिक जागरण से विश्व परिवर्तन विषय पर आयोजित सेमिनार में मीडिया कर्मियों को सम्मानित किया गया।

कोटा, (निसं)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कमला उद्यान, कोटा में मीडिया द्वारा आध्यात्मिक जागरण से विश्व परिवर्तन विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न स्थानों से आए मीडिया प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता माउंट आबू से पधारे ब्रह्माकुमारी मीडिया प्रभारी एवं मधुबन न्यूज के चीफ एडिटर बीके कोमल भाई ने मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ है और इसकी जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मीडिया कर्मियों को राजयोग मेडिटेशन अपनाना चाहिए, जिससे उनके जीवन में सकारात्मकता का विकास होगा, मन शांत रहेगा और वे अपने कार्य को और अधिक प्रभावी तथा संतुलित ढंग से कर सकेंगे। साथ ही उन्होंने सभी को माउंट आबू आने का निमंत्रण भी दिया। इंदौर से पधारी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके अनीता दीदी ने अपने संबोधन में कहा कि मीडिया कर्मी देश की सेवा तो करते ही हैं, लेकिन उन्हें स्वयं की आंतरिक शांति और सशक्तिकरण के लिए भी नियमित मेडिटेशन करना चाहिए।

उन्होंने सभी को आत्मिक उन्नति के लिए प्रेरित किया। आशीर्वचन देते हुए कोटा संभाग प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी उर्मिला दीदी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी पत्रकार बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने पवित्र ब्रह्माभोजन ग्रहण किया तथा आध्यात्मिक आर्ट गैलरी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम ने उपस्थित सभी मीडिया कर्मियों के मन में आध्यात्मिक जागरूकता और सकारात्मक सोच का संदेश स्थापित किया।

'शायद बॉक्सिंग या फिर मॉडलिंग। शायद प्लस-साइज मॉडल! मैं उसमें बहुत अच्छी होती। मुझे अपनी आक्रामकता निकालने के लिए जीवन के अंत तक कुछ न कुछ ऐसा करना होगा जिसमें बहुत ऊर्जा लगे।' - आर्यना सबालेंका

मशहूर टेनिस खिलाड़ी, एक मैगजीन के लिये ग्लैमरस फोटोशूट कराते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — ध्रुव जुरेल

28वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को हरा दिया। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में ध्रुव जुरेल की बेहतरीन स्टंपिंग ने कैमरन ग्रीन को पवेलियन भेजा। अजिंक्य रहाणे 12वीं बार खाता नहीं खोल सके। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने अपने 200 टी-20 विकेट पूरे कर लिए। 11वें ओवर में के उप कप्तान रिंकू सिंह का कैच छूटा, उन्होंने फिफ्टी लगाकर टीम को सीजन में पहली जीत दिला दी। वहीं कार्तिक त्यागी ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटके।

क्या आप जानते हैं ?... महेंद्र सिंह धोनी ने अपने करियर में 195 स्टंपिंग की हैं, जो एक विश्व रिकॉर्ड है।

जयपुर में 25 अप्रैल को एसएमएस स्टेडियम में खेलने वाले आईपीएल मैच की टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। जिसके चलते स्टेडियम के बाहर टिकटों के लिये लगी दर्शकों की लंबी लाईन।

मिल गया वैभव सूर्यवंशी का तोड़!

वरुण चक्रवर्ती के सामने नहीं चला बल्ला, रियान पराग-जुरेल ने भी टेक दिए घुटने

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। आईपीएल 2026 के 28 वें मुकाबले में वरुण चक्रवर्ती की फिरकी के सामने राजस्थान रॉयल्स का टॉप ऑर्डर बिखर गया। वरुण चक्रवर्ती ने सबसे पहले खतरनाक दिख रहे वैभव सूर्यवंशी को आउट किया। इसके बाद उन्होंने ध्रुव जुरेल और कप्तान रियान पराग को भी पवेलियन भेज दिया। इस दौरान सूर्यवंशी पहली बार रनों के लिए जूझते हुए दिखे। के तेज गेंदबाजों के खिलाफ सूर्यवंशी ने तो जमकर रन बनाए लेकिन स्पिनर्स के खिलाफ उन्हें संभलकर खेलना पड़ा। सूर्यवंशी ने तेज गेंदबाजों की 15 गेंद खेलकर 32 रन बटोरे तो स्पिनर्स के खिलाफ वह 14 गेंदों में सिर्फ 14 रन ही बना सके और आउट भी हुए।चक्रवर्ती की बदौलत जो राजस्थान रॉयल्स 8 ओवर तक बिना विकेट गंवाए 79 रन बना चुकी थी, वही टीम अगले 38 रन बनाने के दौरान चार विकेट गंवा बैठी। वरुण चक्रवर्ती के साथ सुनील नरेन ने भी काफी कसी हुई गेंदबाजी की और दो विकेट चटकाए। वरुण चक्रवर्ती ने अपने चार ओवर में सिर्फ 14 रन देकर तीन सफलताएं हासिल कीं, तो सुनील नरेन ने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। कमाल की बात यह रही कि दोनों स्पिनर्स ने आठ ओवर में सिर्फ 50 रन देकर पांच विकेट हासिल कर लिए। यानी आधी टीम सिर्फ दो गेंदबाजों ने निपटा दी और वह भी महज 50 रन खर्च कर।

पंजाब की 5वीं जीत, लखनऊ को 54 रन से हराया

// प्रियांश ने 93, कोनोली ने 87 रन बनाए //

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। पंजाब किंग्स ने में 5वीं जीत हासिल की। टीम ने रविवार के दूसरे मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रन से हराया। पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को 4 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्टेडियम में टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी पंजाब ने 7 विकेट खोकर 254 रन बनाए। यह सीजन बेस्ट स्कोर रहा। जवाब में लखनऊ की टीम 5 विकेट पर 200 रन की बना सकी।

शशांक से तीसरा कैच छूटा, चौधरी को जीवनदान

19वें ओवर में शशांक सिंह ने मुकुल चौधरी को जीवनदान मिला। जेवियर बार्टलेट की बॉल पर शशांक सिंह ने डीप स्क्वैयर लगे में कैच ड्रॉप किया। शशांक से मैच में तीसरा कैच छूटा है।

लखनऊ का स्कोर 150 पार, मार्करम-चौधरी नाबाद

16वें ओवर में लखनऊ ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। ऐडन मार्करम ने जेवियर बार्टलेट की चौथी बॉल पर छक्का लगाया और टीम स्कोर 150 पार पहुंचा दिया। उन्होंने अगली बॉल पर भी छक्का लगाया। बार्टलेट के इस ओवर से 16 रन आए।

15वें ओवर की दूसरी बॉल पर लखनऊ का चौथा बैटर आउट हुए। यहां पर निकोलस पूरन (9 रन) को मार्को यानसन ने श्रेयस अय्यर के हाथों कैच कराया। यानसन की नकल बॉल पर पूरन ने क्रीज से बाहर आकर सीधे शॉट खेलना चाहा, लेकिन टाइमिंग गड़बड़ा गई और वे शॉट थोड़ा जल्दी खेल बैठे। गेंद हल्का सा ऊपर उठी और लॉन्ग-ऑफ से दौड़ते हुए श्रेयस अय्यर ने पीछे की ओर शानदार कैच लपक लिया।

हिचकिचाहट नहीं, सिर्फ जोश

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। रिंकू सिंह ने रविवार को यहां नाबाद 53 रन की पारी खेलकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के तनावपूर्ण मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को इस सत्र की पहली जीत दिलाने के बाद कहा कि जोश तो था लेकिन कोई हिचकिचाहट नहीं थी। जब लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल लग रहा था, तब रिंकू ने संयम और नियंत्रित आक्रामकता का तालमेल बिठाते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया।

उन्होंने मैच के बाद कहा कि कभी-कभी ऐसा होता है जब कुछ चीजें आपके हिसाब से नहीं होतीं तो आप वह जोश महसूस करते हैं। लेकिन ऐसा नहीं था कि मैं अपने शॉट खेलने को लेकर हिचकिचा रहा था या मुझे कोई दुविधा थी। मेरी सोच यही थी कि खेल को आखिर तक ले जाऊं। इस सत्र में एक बड़ी पारी की तलाश में रहे इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने शुरुआत में मिले एक जीवनदान का पूरा फायदा उठाया और मैच का रुख केकेआर के पक्ष में मोड़ दिया। रिंकू ने कहा, कभी-कभी ऐसा ही होता है। दिमाग ठीक से काम नहीं करता और आप ऐसे शॉट्स खेल बैठते हैं लेकिन शुक्र है कि किस्मत मेरे साथ थी और आखिरकार हम मैच जीत गए।

रिंकू ने माना कि इस पारी का उन्हें लंबे समय से इंतजार था और यह उनके आत्मविश्वास के लिए बहुत जरूरी थी। उन्होंने कहा कि मैंने काफी पारियां खेली थीं और एक बड़ी पारी का इंतजार कर रहा था। यह मेरे लिए बहुत अच्छी पारी थी और मेरे आत्मविश्वास के लिए भी बहुत अहम थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने खास तौर पर रिंकू और गेंदबाजों की तारीफ की। मुझे रिंकू, अनुकूल (रॉय) और वरुण (चक्रवर्ती) के लिए सच में बहुत खुशी है। जिस तरह से वरुण ने गेंदबाजी की। अनुकूल का घरेलू टूर्नामेंट भी शानदार रहा।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने क्षेत्ररक्षण में हुई उन गलतियों पर अफसोस जताया जो मैच का नतीजा तय करने में अहम साबित हुईं। पराग ने कहा, मुझे लगा था कि यह 170 रन वाला विकेट है, लेकिन हम 10 रन पीछे रह गए। गलती हमारी तरफ से हुई। हम कैच नहीं छोड़ सकते, इसी वजह से हम मैच हार गए। रिंकू का कैच उनकी पारी की शुरुआत में ही छूट गया था।

कराटे में दृष्टि तिवारी का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित सेकोकाई कप राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप 2026 में युवा कराटे खिलाड़ी दृष्टि तिवारी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। दृष्टि तिवारी ने कुमिते (अंडर 35 कैटेगरी) में शानदार मुकाबले दिखाते हुए रजत पदक जीता। इसके अलावा उन्होंने काता (अंडर 35 कैटेगरी) में भी उत्कृष्ट तकनीक का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता 18-19 अप्रैल 2026 को आयोजित हुई, जिसमें देशभर से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। ऐसे प्रतिस्पर्धी माहौल में दो पदक जीतना दृष्टि तिवारी की मेहनत, अनुशासन और लगन को दर्शाता है। दृष्टि की इस उपलब्धि से उनके परिवार, कोच और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। खेल प्रेमियों का मानना है कि अगर इसी तरह उनका प्रदर्शन जारी रहा, तो वे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन कर सकती हैं।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने आईएफएल स्टेज 1 को उच्च स्तर पर समाप्त करने के लिए पहली अवे जीत हासिल की

जयपुर, 19 अप्रैल। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने एक दृढ़ और जोशीला प्रदर्शन करते हुए के खिलाफ 2-1 की जीत दर्ज की, जो इंडियन फुटबाल लीग के स्टेज 1 के अपने अंतिम मुकाबले में फ़टोरडा स्टेडियम पहले हाफ के प्रतिस्पर्धी खेल के बाद, राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने दूसरे हाफ में खेल को पलटने के लिए असाधारण दृढ़ता और चरित्र का प्रदर्शन किया।

जेरार्ड आर्टिगास ने 46वें मिनट में, रीस्टार्ट के तुरंत बाद, एक महत्वपूर्ण गोल कर वापसी की शुरुआत की, इससे पहले कि थोम्यो शिमरे ने 57वें मिनट में एक शानदार फिनिश के साथ बढ़त को आगे बढ़ाया, जिससे मेहमान टीम के लिए एक यादगार जीत सुनिश्चित हुई। मैच का एक प्रमुख आकर्षण जेम्स किथान का प्रदर्शन रहा, जिन्होंने 2025-26 आईएफएल सीज़न में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की। पहले से ही टीम सेटअप का हिस्सा होने के बावजूद, उन्होंने अपने डेब्यू में तुरंत प्रभाव डाला और उन्हें योग्य रूप से मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया, जो बड़े मंच पर उनकी गुणवत्ता और संयम को दर्शाता है।

आरयूएफसी के चेयरमैन केके टाक ने कहा मैं हमारे सभी समर्थकों, साझेदारों और शुभचिंतकों का ईमानदारी से धन्यवाद करना चाहता हूँ, जिन्होंने पूरे स्टेज 1 के दौरान हमारा साथ दिया। आपका निरंतर समर्थन टीम को आगे बढ़ाता है। यह जीत हर उस प्रशंसक की है जो राजस्थान यूनाइटेड एफसी पर विश्वास करता है। जैसे ही राजस्थान यूनाइटेड एफसी अपने आईएफएल स्टेज 1 अभियान को समाप्त करता है, क्लब उन सभी लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है जिन्होंने इस यात्रा का समर्थन किया और इसे देखा।

फैन का टोटका सोशल मीडिया पर वायरल

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। आईपीएल 2026 के 27वें मैच में एक अजीब घटना देखने को मिली। शिवम दुबे के आउट होने से पहले स्टैंड्स में बैठे एक सनराइजर्स हैदराबाद के एक फैन का टोटका सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। चेन्नई की पारी के 17वें ओवर में, जब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए दुबे बल्लेबाजी कर रहे थे, तभी एक फैन हाथ में नींबू लेकर उसे हवा में घुमाते और कुछ बुदबुदाते हुए नजर आया। उसने इशारा दुबे की ओर किया और अगली ही गेंद पर दुबे बोल्ड हो गए। इस तरह के टोटके फैंस करते रहते हैं। कई बार खिलाड़ी भी अंधविश्वास करते हैं। जैसे 2011 वर्ल्ड कप फाइनल में सचिन तेंदुलकर ड्रेसिंग रूप में वीरेंद्र सहवाग को जगह बदलने नहीं दे रहे थे।

टीम बोटा की धमाकेदार बढ़त, 28 अंकों के साथ अंकतालिका में टॉप पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। न्यू चंडीगढ़ और मोहाली सहित ट्राईसिटी के विभिन्न कोर्ट्स पर खेली जा रही स्वूट पैडल लीग नई नई दिल्ली। एसपीएल के दूसरे दिन टीम बोटा ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर बादशाहत कायम कर ली है। 9 जीत और 3 हार के साथ टीम बोटा 28 अंक बटोरकर अंक तालिका में सबसे ऊपर पहुंच गई है। इस लीग में पुरुष और महिला वर्ग के 60 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

दूसरे दिन के खेल का रोमांच लीग के दूसरे दिन टीम कोर्टलाइन ने भी संघर्ष क्षमता दिखाई और 6 जीत व 9 हार के साथ 14 अंक लेकर दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति सुरक्षित रखी है। अन्य टीमों के बीच अंक तालिका में निचले पायदानों के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। टीम स्वूट क्लब 8 अंकों के साथ तीसरे, टीम विवा ला विडा 7 अंकों के साथ चौथे और टीम क्लब कैनोपी 6 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गई है।

एशियाई खेलों में एंट्री के बाद चंडीगढ़ में पैडल का बढ़ा क्रेज

हाल ही में एशियाई खेलों में पैडल को आधिकारिक तौर पर शामिल किए जाने का सकारात्मक असर इस लीग पर भी दिख रहा है। चंडीगढ़ में पहली बार खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोर्ट्स और नियमों के साथ खेल का अनुभव ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता में कई ऐसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, जिससे खेल का स्तर काफी ऊंचा हो गया है।

चार श्रेणियों में हो रहे मुकाबले

लीग के आयोजक और स्वूट के संस्थापक राविश ने बताया कि टूर्नामेंट को चार प्रमुख श्रेणियों-एडवांस्ड, इंटरमीडिएट, मिक्स्ड डबल्स और हाइब्रिड में बांटा गया है। खेल प्रेमियों के लिए उत्साह अभी और बढ़ ने वाला है क्योंकि लीग में कुल 130 मैच खेले जाने हैं।

2 मई को होगा फाइनल

लीग के सभी मुकाबले न्यू चंडीगढ़ , कांसल, मनीमाजरा और मोहाली के अत्याधुनिक कोर्ट्स पर आयोजित किए जा रहे हैं। लीग का समापन और खिताबी भिड़ंत यानी ठौंड फाइनल 2 मई को होगा।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग

जयपुर 19 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में जहीर उल हसन क्लब ने मिनर्वा क्लब को 8 विकेट से पराजित किया। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने बताया की आज प्रात: के एल सैनी स्टेडियम पर पूल ए के मैच में मिनर्वा क्लब टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 40.3 ओवर में 191 रनों पर ऑल आउट हो गई। जिसमें रियान सेबेस्टियन ने सर्वाधिक 41 रन, अमरनाथ ने 37 रन, शांतनु रोडा व मोहम्मद शादाब ने 22-22 रन कौशांक जोशी ने 17 रन तथा रोनित सैनी ने 16 रनों का योगदान दिया। जहीर उल हसन क्लब के लिये राजवीर चौधरी ने 25 पर 3, रोहित चौधरी ने 47 पर 3, युवराज सिंह 21पर 2 तथा शिखर सैनी ने 48 पर 2 विकेट लिये। जवाबी पारी में जहीर उल हसन क्लब की टीम ने 27.4 ओवर में 2 विकेट के नुक़सान पर 194 रन बना कर मैच जीत लिया । जिसमें रियांश भाटिया 85 रन नाबाद, तथा केविन नीरज चड्ढा ने 77 रन नाबाद बनाए मिनर्वा क्लब के लिए मोहम्मद शादाब तथा उदय सिंह राजावत ने एक - एक विकेट लिया।

'अक्षय तृतीया' रैपिट ओपन शतरंज प्रतियोगिता 2026 का रोमांचक आगाज

जयपुर, 19 अप्रैल। 'अक्षय तृतीया' के पावन अवसर पर जयपुर चेस क्लब द्वारा परिष्कार कॉलेज मानसरोवर में आयोजित रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में कुल 171 प्रतिभागी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं, जिससे आयोजन में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है। टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता की विशेष बात यह है कि इसमें 24 नए (फ्रेश) बच्चे पहली बार किसी टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं, जो शतरंज के प्रति बढ़ती रुचि का सकारात्मक संकेत है। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 25,000 की प्राइज मनी, 39 ट्रॉफियां एवं मेडल्स खिलाड़ियों को प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनमोहन हर्ष (जॉइंट डायरेक्टर, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग) रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शतरंज जैसे बौद्धिक खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सुभाष जैन (रिटायर्ड , बैंक) उपस्थित रहे और उन्होंने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं । जयपुर जिला शतरंज संघ के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विक्रम सिंह ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं तथा उन्हें बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करते हैं। यह प्रतियोगिता जयपुर चेस अकेडमी द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसे जयपुर डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन (डीसीए) द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा आयोजन में जयपुर चेस क्लब एवं वाणी चेस क्लब का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

फैंस में सबसे ज्यादा पंजाब किंग्स के कैप्टन श्रेयस अय्यर को लेकर क्रेज रहा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच न्यू चंडीगढ़ में आईपीएल का मैच खेला गया। पंजाब की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए लखनऊ को 255 रनों का टारगेट दिया था। पंजाब को पहले ही ओवर की तीसरी बॉल पर पहला झटका लग गया था। इसके बाद प्रियांश आर्या और कूपर कोनोली ने पारी को संभाली थी ।

13वें ओवर में दोनों ने 5 छक्के लगाए। पंजाब के फैंस झूम रहे थे लोग बच्चों के साथ मैच देखने पहुंचे थे। मैच से पहले बच्चे पंजाब किंग्स का टैटू बनवाते दिखे। फैंस में सबसे ज्यादा पंजाब किंग्स के कैप्टन श्रेयस अय्यर को लेकर क्रेज था। उन्हें सरपंच का नाम दिया गया । फैंस यही कह रहे हैं कि आज सरपंच साहब श्रेयस अय्यर 70-80 रन बनाएंगे। भारतीय सेना के घायल जवान भी मैच देखने पहुंचे थे। इस बीच सुनील ग्रोवर के डॉ. मशहूर गुलाटी लुक में एक फैन मैच देखने स्टेडियम पहुंचा।

रविचंद्रन अश्विन का बड़ा बयान- रुतुराज गायकवाड़ ने गंवाया फॉर्म में लौटने का सुनहरा मौका

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच में फॉर्म में वापसी करने का एक शानदार मौका गंवा दिया। सनराइजर्स ने शनिवार को खेले गए मैच में सीएसके को 10 रन से हराया। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाए, जिसके जवाब में सीएसके आठ विकेट पर 184 रन ही बना पाया। अश्विन ने कहा कि गायकवाड दबाव में नजर आ रहे हैं। उन्होंने जिओस्टार से कहा कि उनके लिए रन बनाने का यह सबसे अच्छा मौका था। आयुष म्हात्रे की अच्छी शुरुआत को देखते हुए उन्हें जोखिम लेने या तेज गति से रन बनाने की जरूरत नहीं थी। पावरप्ले में उनकी टीम पूरी तरह हावी थे। रुतुराज के पास क्रीज पर कुछ समय बिताने , कुछ रन बनाने और फॉर्म में वापसी करने का सुनहरा अवसर था। आयुष म्हात्रे का विकेट गिरने के बाद, रुतुराज को एक बहुत अच्छी गेंद मिली, वह पुल शॉट अच्छी तरह से खेलता है लेकिन मुझे लगता है कि वह बहुत दबाव में है और उसका दिमाग थोड़ा उलझन में है। रुतुराज ने आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपने पहले छह मैचों में केवल 82 रन बनाए हैं। उनका औसत मात्र 13.67 और स्ट्राइक रेट 112.33 है। सनराइजर्स की तरफ से श्रीलंका के तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा ने शानदार प्रदर्शन किया और तीन विकेट लिए। सनराइजर्स के गेंदबाजी कोच वरुण आरोन ने उनकी जमकर तारीफ की। आरोन ने कहा कि ईशान मलिंगा को कम करके आंका जाता है। उन्होंने शुरू से ही अच्छी गेंदबाजी की है। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। खासकर जब गेंद रिवर्स स्विंग होती है, तो डेथ ओवरों में वह और भी प्रभावी हो जाता है। वह एक विशुद्ध टी20 गेंदबाज है। युवा तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे ने अपने पदार्पण मैच में शानदार प्रदर्शन करके चार विकेट लिए थे लेकिन पिछले मैच में वह नहीं चल पाए। आरोन ने कहा कि यह उनके लिए अच्छा सबक है। हम कई वर्षों से आईपीएल देख रहे हैं। यही तो इस लीग का सार है। आप पहले ही ओवर में तीन विकेट ले सकते हैं, जैसा कि प्रफुल्ल हिंगे ने अपने पहले मैच में किया और दूसरे दिन आप एक ओवर में 15 रन दे सकते हैं। इसलिए यह उसके लिए एक अच्छा सबक है।शनिवार को एक अन्य मैच में डेविड मिलर ने आखिरी ओवर में दो छक्के लगाकर दिल्ली कैपिटल्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ रोमांचक जीत दिलाई। पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने उनके प्रदर्शन के बारे में कहा कि डेविड मिलर पर दबाव रहा होगा, क्योंकि वह पिछले मैचों में से एक में टीम को जीत नहीं दिला पाए थे। इसलिए मन में संदेह पैदा हो सकता है, लेकिन वह अनुभवी बल्लेबाज हैं और आखिरकार उन्होंने मैच जिता लिया। दिल्ली ने आखिरी ओवर में 15 रन बनाकर आरसीबी को छह विकेट से हराया।

रिफायनरी के कच्चे माल से प्लास्टिक, फार्मा व ऑटोमोबाइल उत्पादों का निर्माण होगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एचपीसीएल उद्योग विभाग व उद्योगों के बीच 18 त्रिपक्षीय समझौते हुए

जयपुर, 19 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर बालोतरा स्थित राजस्थान पेट्रो जोन में औद्योगिक इकाइयों को डाउनस्ट्रीम उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एचपीसीएल रिफाइनरी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग तथा उद्योगों के बीच 18 त्रिपक्षीय समझौते (एमओयू) हुए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रेल को पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन कर देश और प्रदेश को ऐतिहासिक सौगात देंगे। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों पर आधारित सहायक उद्योगों की स्थापना के लिए राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) विकसित किया गया है। इससे उद्यमी सीधे रिफाइनरी से कच्चा माल प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनकी लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। इसमें प्लास्टिक, फार्मा और ऑटोमोबाइल क्षेत्र के उत्पादों का निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रिफाइनरी के समीप बोरावास-कलावा में राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) 1022 हैक्टेयर में विकसित किया जा रहा है। प्रथम चरण में लगभग 30 हैक्टेयर भूमि विकसित की जा चुकी है। वहीं,

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में रविवार को बालोतरा स्थित राजस्थान पेट्रो जोन में डाउनस्ट्रीम उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एचपीसीएल रिफाइनरी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग तथा उद्योगों के बीच 18 त्रिपक्षीय समझौते हुए।

86 औद्योगिक भूखण्डों में से 45 भूखण्डों का आवंटन भी किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान पेट्रो जोन के द्वितीय चरण में 213 हैक्टेयर में 257 भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध होंगे, जिनके लिये ए कैटेगरी की पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जोन का तृतीय चरण 780 हैक्टेयर में होगा, जिसमें से 447 हैक्टेयर के लिये कैटेगरी ए की पर्यावरण स्वीकृति लेने हेतु आवेदन किया जा चुका है। इसमें रामनगर (थोब), सिंधियों की ढ ाणी, वेदरलाई, बोरावास विस्तार और खेमाबाबा नगर में लगभग 780 हैक्टेयर भूमि का आवंटन रीको के पक्ष में किया गया है।

उल्लेखनीय है कि रिफाइनरी से मुख्य ईंधन के अतिरिक्त, भारी मात्रा में डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल उत्पाद निकलेंगे, जो आगामी औद्योगिक इकाइयों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल का कार्य करेंगे। पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीथीन (एचडीपीई/एलएलडीपीई), बेंजीन, टोलुइन और ब्यूटाडाइन जैसे उप-उत्पादों के आधार पर क्षेत्र में व्यापक सहायक उद्योग स्थापित होंगे। इन कच्चे माल के प्रसंस्करण से घरेलू और औद्योगिक उपयोग के विविध उत्पाद, जैसे प्लास्टिक फर्नीचर, कृषि पाइप, पैकेजिंग फिल्म्स, ऑटोमोबाइल के डैशबोर्ड एवं बंपर, सिंथेटिक फाइबर, मेडिकल सीरिंज और पेंट-डिटर्जेंट जैसे रसायनों का बड़े पैमाने पर उत्पादन संभव होगा।

कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि रिफायनरी से निकलने वाले पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीथीन (एचडीपीई/एलएलडी पीई) बेंजीन, टोलुइन और ब्यूटाडाइन जैसे उप-उत्पादों के आधार पर क्षेत्र में व्यापक सहायक उद्योग स्थापित होंगे।

कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश में विकास तेजी से हो रहा है। औद्योगिक इकाइयों के निरंतर विस्तार से रोजगार के अवसरों का व्यापक सृजन हुआ है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल ने पचपदरा रिफाइनरी की विशेषताओं का विस्तृत रूप से उल्लेख किया। इस अवसर पर एचपीसीएल के मार्केटिंग डायरेक्टर अमित गर्ग और पेट्रो केमिकल हैड सौगाता चौधरी सहित, निवेशक एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तृणमूल की रणनीतिकार आई-पैक ने काम बंद किया, कर्मचारियों को 11 मई तक छुट्टी पर भेजा

शनिवार रात आई-पैक ने कर्मचारियों को ई-मेल भेजकर सूचित किया कि कानूनी अड़चनों के कारण बंगाल में काम फिलहाल रोका गया है

कोलकाता, 19 अप्रैल। बंगाल में विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान से ठीक पहले राजनीतिक गलियारों में उस समय एक चर्चा तेज हो गई, जब तृणमूल कांग्रेस के लिए काम कर रही चुनावी रणनीतिकार संस्था आई-पैक के कामकाज को अस्थाई रूप से बंद करने की खबरें सामने आईं।

शनिवार देर रात आई-पैक के कर्मचारियों को कथित तौर पर भेजे गए ई-मेल में कानूनी बाध्यताओं का हवाला देते हुए 20 दिनों की छुट्टी पर जाने का निर्देश दिया गया है। हालांकि, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने इन खबरों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विपक्ष की एक सुनियोजित साजिश करार दिया है।

सूत्रों के अनुसार, साल्टलेक स्थित आई-पैक कार्यालय से कर्मचारियों को भेजे गए ई-मेल में कहा गया है कि कुछ कानूनी अड़चनों के कारण बंगाल में कामकाज फिलहाल रोका जा रहा है। कर्मियों को 11 मई तक के लिए छुट्टी पर भेज दिया गया है।

रिपोर्टों में दावा किया गया है कि कोयला घोटाले की जांच के सिलसिले में हाल ही में ईडी द्वारा आई-पैक के

■ यह माना जा रहा है कि 23 और 29 अप्रैल के मतदान के दौरान आई-पैक की अनुपस्थिति तृणमूल के जमीनी चुनाव प्रबंधन को प्रभावित कर सकती है। हालांकि तृणमूल ने कहा कि आई-पैक के काम रोकने की खबर निराधार है।

सह-संस्थापक व निदेशक विनेश चंदेल की गिरफ्तारी और संस्था के ठिकानों पर हुई छापेमारी के बाद यह कदम उठाया गया है। चर्चा यह भी है कि मतदान की महत्वपूर्ण तारीखों (23 और 29 अप्रैल) के दौरान आई-पैक की अनुपस्थिति तृणमूल के जमीनी चुनावी प्रबंधन को प्रभावित कर सकती है। इन खबरों के मीडिया में आने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की। पार्टी ने कहा कि आइ-पैक द्वारा काम रोकने की खबरें पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं। आई-पैक की बंगाल टीम पूरी तरह सक्रिय है और हमारी चुनावी रणनीति योजनानुसार चल रही है।

आई-पैक और जांच एजेंसियों के बीच का विवाद सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ज्ञात हो कि कुछ समय पहले ईडी की छापेमारी के दौरान खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आइ-पैक दफ्तर पहुंची थीं और केन्द्रीय एजेंसियों पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया था।

अब सवाल यह है कि क्या आई-पैक के कर्मी पर्दे के पीछे से काम करना जारी रखेंगे? सूत्रों का कहना है कि संस्था का एक हिस्सा वर्क फ्रॉम होम के जरिए सक्रिय रह सकता है, जबकि तृणमूल नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि उनके चुनाव प्रचार की गति कम नहीं होगी।

पूर्व केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महत्वपूर्ण पड़ोसी और रणनीतिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच व्यापार, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में एक अनुभवी नेता की नियुक्ति से कूटनीतिक संबंधों को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है

एक्सप्रेस वे की दुर्घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त निर्देश दिए

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। देश में बढ़ते सड़क हादसों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश के लिए नई गाइडलाइन जारी की हैं। कोर्ट ने साफ कहा है कि एक्सप्रेसवे मौत के गलियारेनहीं बनने चाहिए और छोटी-छोटी लापरवाहियों की वजह से जान नहीं जानी चाहिए।

मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस जेके महेश्वरी और एएस चांदुरकर की बेंच ने बताया कि देश की कुल सड़कों में राष्ट्रीय राजमार्ग सिर्फ 2 प्रतिशत हैं, लेकिन यहां करीब सड़क हादसों में 30 प्रतिशत मौतें होती हैं, जो बेहद चिंताजनक है। कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि, भारी या कमर्शियल वाहनों को सड़क या किनारे खड़ा करने पर रोक होगी, सिर्फ तय जगहों पर ही पार्किंग होगी। हाईवे के किनारे नए ढाबे, दुकान या कोई भी अवैध निर्माण तुरंत रोक दिए जाएंगे। 60 दिनों के अंदर ऐसे सभी

■ अदालत ने कहा, कुल सड़कों में राष्ट्रीय राजमार्ग केवल 2 प्रतिशत है। पर इन पर सड़क दुर्घटनाओं में 30 प्रतिशत मौत होती हैं।

अवैध निर्माण हटाने का आदेश दिया गया है। हर जिले में हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स बनाई जाएगी, जो सड़क सुरक्षा पर नजर रखेगी। हाईवे पर कैमरे, स्पीड मॉनिटर और इमरजेंसी सिस्टम (एटीएमएस) लगाए जाएंगे। पुलिस और प्रशासन को नियमित गश्त और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। यह फैसला 2025 में राजस्थान और तेलंगाना में हुए बड़े सड़क हादसों के बाद लिया गया, जिनमें कई लोगों की जान चली गई थी।

मांस, मछली, दवा, अचार नेपाल में लेकर नहीं आ सकते

नेपाल सरकार ने नये आर्थिक प्रतिबंध लगाए, भारतीय बाज़ार से सौ रूपये अधिक की खरीद पर कस्टम ड्यूटी लगाई

वाल्मीकिनगर (पश्चिम चंपारण), 19 अप्रैल। नेपाल सरकार के नए आर्थिक प्रतिबंधों का असर अब भारत-नेपाल सीमा पर साफ दिखने लगा है। वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज के 36 नंबर फाटक पर नेपाली प्रशासन की ओर से एक पोस्टर चस्पा कर कई वस्तुओं को भारत से नेपाल ले जाने पर रोक लगा दी गई है।

सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल द्वारा लगाए गए इस नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि डालडा, पेय पदार्थ, मांस, मछली, दवा, अचार, समेत कई दैनिक उपयोग की वस्तुओं को भारत से खरीदकर नेपाल ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही, सीमा पर तैनात नेपाल पुलिस और आर्म्ड पुलिस फोर्स नागरिकों को इस नियम की जानकारी देते हुए सख्ती से पालन करा रही है।

■ दुकानदारों का कहना है कि नेपाल के लोग रोज़मर्रा का सामान खरीदने भारतीय बाज़ारों में आते थे। नये प्रतिबंधों का असर बाज़ार की रौनक तथा नेपाल की तराई में रहने वालों के जीवन पर पड़ने वाला है।

नेपाल सरकार के नए फैसले के अनुसार, सीमावर्ती इलाकों के लोग अब भारतीय बाजारों से 100 रुपये से अधिक की खरीदारी बिना शुल्क नहीं कर सकेंगे। तय सीमा से ज्यादा खरीदारी करने पर उन्हें कस्टम ड्यूटी देनी होगी।

इन नए नियमों का असर सीमावर्ती भारतीय बाजारों पर भी पड़ा है। वाल्मीकिनगर और आसपास के बाजारों में नेपाली ग्राहकों की संख्या में भारी कमी आई है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि पहले नेपाल के लोग रोजमर्रा के सामान की खरीदारी के लिए भारतीय बाजारों में आते थे, लेकिन अब सख्ती के कारण उनकी आवाजाही कम हो गई है। इससे बाजारों की रौनक फीकी पड़ गई है और व्यापारियों की आय पर असर पड़ रहा है।

नेपाल के इस फैसले का असर न केवल भारतीय बाजारों पर, बल्कि नेपाल के तराई क्षेत्र में रहने वाले लोगों के जीवन पर भी पड़ने लगा है। जरूरी सामानों की उपलब्धता और खरीदारी दोनों, प्रभावित हो रही हैं।

इस बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसके बाद ही कॉलेज जाती थीं।

बाद के एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने और सहपाठियों के जीवन के बीच अंतर के बारे में बात की। जहां उनके सहपाठी नए और फैशनेबल कपड़ों से प्रभावित थे, वहीं बनर्जी केवल सादा कॉटन साड़ी खरीद सकती थीं। ये साड़ियाँ बाद में 'ब्रांड ममता' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गईं।

बनर्जी ने 1970 में स्कूल की पढ़ाई पूरी की और कोलकाता के जोगमाया देवी कॉलेज में दाखिला लिया। किशोरावस्था में ही उन्होंने कांग्रेस छात्र इकाई, छात्र परिषद, का नेतृत्व करते हुए कॉलेज चुनाव में जीत हासिल की।

कांग्रेस नेतृत्व ने उनके जोशीले राजनीतिक अंदाज को देखा और 1976 में उन्हें महिला कांग्रेस (इंदिरा) की बंगाल इकाई की महासचिव बना दिया।

1984 के लोकसभा चुनाव में, 29 साल की बनर्जी पहली बार संसद के लिए चुनी गईं। उन्होंने जादवपुर से दिवंगत सोमनाथ चटर्जी, वरिष्ठ वाम नेता और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष, को हराया।

1989 के चुनावों में हार के बाद, उन्होंने 1991 के चुनाव में कोलकाता साउथ सीट से जीत हासिल कर संसद में वापसी की। यह सीट 20 साल तक, उनके मुख्यमंत्री बनने तक, उनके पास ही रही।

सिविल मामलों में एफआईआर पर नये निर्देश जारी करें- हाई कोर्ट

जयपुर, 19 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने आपसी लेनदेन, जमीन जायदाद विवाद, वाणिज्यिक विवाद सहित, अन्य सिविल मामलों में एफआईआर दर्ज करने को गलत माना है। कोर्ट ने डीजीपी के सर्कुलर की पालना नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए डीजीपी को निर्देश दिए हैं कि वे इस प्रकार के उल्लंखन की पुनरावृति रोकने के लिए नए सिरे से निर्देश जारी करें। जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की बैंच ने यह निर्देश धर्मेन्द्र ठक्कर व अन्य आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि डीजीपी इस मामले में सर्कुलर की पालना नहीं होने के कारणों का पता लगाए और जिस अधिकारी द्वारा लापरवाही की गई है, उसकी पहचान करें। हाईकोर्ट ने कहा कि सिविल नेचर के केस में एफआईआर तब तक दर्ज नहीं की जा सकती है, जब तक उसमें आपराधिक मामला नहीं बनता है। वहीं विरोधाभास की स्थिति उत्पन्न होने पर संबंधित पुलिस अधीक्षक से अनुमति लेना आवश्यक हैं। ऐसे में हम डीजीपी

■ अदालत ने डीजीपी से कहा कि जाँच करें कि इस बारे में सर्कूलर की पालना क्यों नहीं हो रही।

को निर्देश देते है कि वे अपने सर्कुलर की पूरे प्रदेश में कड़ाई से पालना करवाएं और इस प्रकार के उल्लंघनों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए नए निर्देश और जरूरी उपाय करने पर भी विचार करें।

दरअसल, इस मामले में टोंक जिले के निवाई थाना पुलिस ने दो पक्षों में कॉर्मिशियल विवाद को लेकर एफआईआऱ दर्ज की थी। एक पक्ष ने आरोप लगाया था कि उसने दूसरे पक्ष को माल बेचा था, जिसके पेटे दूसरे पक्ष ने 18 लाख रुपए से ज्यादा का भुगतान नहीं किया। आरोपी पक्ष की ओर से कहा गया कि यह पूरी तरह से सिविल नेचर का मामला हैं, लेकिन पुलिस इसे आपराधिक रंग देते हुए गिरफ्तारी का दवाब बना रही हैं।

ईरान ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यदि ईरान ने अमेरिका की शर्तें नहीं मानी तो उसके पुलों और बिजली संयंत्रों को नष्ट कर दिया जाएगा। इसी बीच ईरान ने नाकाबंदी के चलते अपने वार्ताकारों को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पाकिस्तान जाएगा। हालांकि इस बार वार्ता का नेतृत्व कौन करेगा, इसपर संदेह है। जहां, खुद ट्रंप ने मीडिया से कहा कि इस बार उप राष्ट्रपति जेडी वेंस सुरक्षा कारणों से वहां नहीं जाएंगे और पश्चिम एशिया के लिए उनके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ वार्ता का नेतृत्व करेंगे, जबकि उनके दामाद जेरेड कुशनर टीम में शामिल रहेंगे। वहीं, वाइट हाउस ने बयान जारी कर कहा कि वेंस पाकिस्तान जा रहे हैं। ऐसे में अमेरिकी टीम को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है।

अक्षय तृतीया पर गंगोत्री, यमुनोत्री धाम के कपाट खुले

देहरादून, 19 अप्रैल। उत्तराखंड के चार धामों में शामिल गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम के कपाट रविवार को अक्षय तृतीया के पर्व पर वैदिक मंत्रोच्चारण और पारंपरिक पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इसके साथ ही उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा 2026 का श्रीगणेश हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंगोत्री धाम मंदिर में पहली पूजा प्रधानमंत्री के नाम से की।

धार्मिक परंपराओं के अनुसार, रविवार को मां गंगा की उत्सव डोली भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर से चलकर गंगोत्री धाम पहुंची। गंगोत्री धाम में विशेष पूजा-अभिषेक के साथ 12

■ गंगोत्री धाम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहली पूजा प्रधानमंत्री के नाम से की।

बजकर 15 मिनट पर गंगोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गये। इसी तरह मां यमुना की डोली भी शनिदेव महाराज की अगुवाई में शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली से चलकर यमुनोत्री धाम पहुंची। धार्मिक विधि- विधान के साथ 12 बजकर 35 मिनट पर यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले गए।

गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शमिल हुए। धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली विशेष पूजा-अर्चना की और देव डोली से आशीष भी लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम चारधाम यात्रा के लिए राज्य सरकार द्वारा व्यापक और सुदृढ़ व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए हैं। साथ ही, यात्रा मार्गों पर सुचारु यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मोदी ने सड़क ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जनसभा समाप्त करने के बाद वे अपने हेलीकॉप्टर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में सड़क किनारे लगी एक झालमुड़ी की दुकान देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया। जैसे ही प्रधानमंत्री का काफिला रुका, मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। प्रधानमंत्री ने बाद में सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर भी इस पल की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि पश्चिम बंगाल में चार व्यस्त चुनावी रैलियों के बीच झाड़ग्राम में स्वादिष्ट झालमुड़ी का आनंद लिया। चुनावी माहौल के बीच प्रधानमंत्री का यह अंदाज अब राजनीतिक हलकों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी व्यस्तता के बीच प्रधानमंत्री का आम लोगों के बीच पहुंचना उनके लिए सुखद अनुभव रहा।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में आग से 18 मजदूरों की मौत

विरुधुनगर, 19 अप्रैल। तमिलनाडु के जिला विरुधुनगर के कट्टुनारपट्टी में रविवार दोपहर को एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने से 18 मजदूरों की मौत होने की खबर है, लेकिन प्रशासन ने मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। इस हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने घटना में कई लोगों की मौत पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

पुलिस के अनुसार, कट्टुनारपट्टी में दोपहर में मजदूरों के काम करने के दौरान एक पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट के बाद आग लग गई, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस व

■ दोपहर में काम के दौरान पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट के बाद आग लगी। धमाकों की आवाज़ 10 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।

दमकलकर्मियों का दल मौके पर पहुंचा और बचाव व राहत कार्य शुरू किया। इस हादसे में वहां काम कर रहे 18 मजदूरों की मौत होने की खबर है। इसके अलावा छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कावेरी नदी में डूबने से 6 लोगों की मौत

मैसूरु, 19 अप्रैल। कर्नाटक के मैसूरु जिले के केआर नगर क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें कावेरी नदी में डूबने से छह लोगों की मौत हो गई। यह घटना अर्केश्वर मंदिर के पास स्थित पुराने एडथोरे अर्केश्वर स्वामी मंदिर क्षेत्र में हुई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है।

यहां स्थित हजरत खादर लिंगवल्ली दरगाह में उर्स कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम परिवार शामिल होने पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संदेश में भाजपा का प्रचार किया- ममता

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सरकारी तंत्र के दुरुपयोग व आचार संहिता के उल्लंघन की चुनाव आयोग को शिकायत करेंगी

कोलकाता, 19 अप्रैल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने उन पर राजनीतिक अभियानों के लिए सरकारी तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाया। हुगली जिले के तारकेश्वर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के जरिए भाजपा के लिए प्रचार किया है।

ममता बनर्जी ने कहा, पीएम मोदी ने कल राजनीतिक अभियानों के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग किया। हम इसकी निंदा करते हैं और चुनाव आयोग से इसकी शिकायत करेंगे। टीएमसी प्रमुख ने पीएम पर आदर्श चुनाव आचार

■ प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सवाल किया कि जब महिला आरक्षण बिल सितंबर 2023 में पास हो गया था तो अभी तक उसे लागू क्यों नहीं किया गया।

संहिता के उल्लंघन का आरोप भी मढ़ा।

गौरतलब है कि शनिवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक के बहाने कांग्रेस के साथ-साथ सभी विपक्षी पार्टियों पर हमला बोला। पीएम ने कहा था कि भारत की महिलाएं विपक्ष को भ्रूणहत्या के पाप के लिए कड़ी सजा देंगी।

वहीं, अब इसपर पलटवार करते हुए बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, प्रधानमंत्री को भारत के लोगों को जवाब देना होगा कि वे अपनी पार्टी के लिए अवैध अभियान क्यों चला रहे हैं? दीदी ने सवाल किया कि जब महिला आरक्षण बिल सितंबर 2023 में ही पास हो गया था, तो इसे अभी तक लागू क्यों नहीं किया गया? ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा-नीत सरकार ने जानबूझकर महिला आरक्षण विधेयक को परिसीमन से जोड़ दिया है। उन्होंने कहा, भाजपा में इतनी धृष्टता थी कि संख्या बल न होने के बावजूद, वे इसे लोकसभा में लाए। अब भाजपा का पतन शुरू हो गया है।

उत्साहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए एक और नोटिस लाने पर विचार कर रही हैं। यह कदम उनके पिछले प्रस्ताव को लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति की ओर से खारिज किए जाने के कुछ ही दिनों बाद उठाया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि इंडिया गठबंधन की प्रमुख पार्टियां इस मामले में चर्चा कर रही हैं। माना जा रहा कि एक संभावित मसौदा तैयार करने पर काम भी कर रही हैं।

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दबाव बनाने की ये विपक्ष की एक कोशिश भी हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि चुनाव वाले राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल में एसआईआर, वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़े विवाद सामने आए। इससे पहले कई अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विवाद सामने आए थे। ऐसे में विपक्ष का नया प्रस्ताव लाने का विचार एक राजनीतिक कमेंट का प्रयास भी प्रतीत हो रहा।

प्रस्तावित परिसीमन का मकसद विपक्ष के वोट बैंक को कमज़ोर करना है- खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष ने तमिलनाडु की चुनाव सभाओं में सवाल किया कि भाजपा ने अब तक महिला आरक्षण लागू क्यों नहीं किया

चेन्नई, 19 अप्रैल। तमिलनाडु चुनाव के बीच महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर सियासत के केन्द्र में आ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए पूछा कि 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून अब तक लागू क्यों नहीं किया गया। उन्होंने इसे चुनावी मुद्दा बताते हुए कहा कि महिलाओं को अधिकार देने में देरी क्यों हो रही है। कृष्णागिरी और होसुर में जनसभाओं को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि भाजपा सरकार महिला आरक्षण को सही तरीके से लागू करने के बजाय परिसीमन के साथ जोड़कर पेश

■ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा का महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने का कदम महिलाओं के लाभ के लिए नहीं, केवल राजनीतिक फायदे के लिए उठाया गया है।

कर रही है। उनका आरोप है कि यह बिल महिलाओं को सशक्त बनाने के बजाय राजनीतिक फायदा उठाने के लिए लाया गया था।

खड़गे ने कहा कि प्रस्तावित परिसीमन का मकसद चुनावी क्षेत्रों को बदलकर विपक्ष के वोट बैंक को कमजोर करना है। उन्होंने दावा किया कि इसे महिला आरक्षण के नाम पर पेश किया गया, जबकि असल में यह वोटों को बांटने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं के हित में नहीं है।

खड़गे ने साफ कहा कि कांग्रेस महिलाओं, लोकतंत्र और समानता के पक्ष में है। उन्होंने एक-तिहाई महिला आरक्षण का समर्थन दोहराया और कहा कि विपक्षी दल इस मुद्दे पर एकजुट हैं। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और राज्य के सांसदों की भी तारीफ की। खड़गे ने प्रधानमंत्री पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने रोजगार, महंगाई और किसानों की आय जैसे मुद्दों पर भी वादे पूरे नहीं किए। उन्होंने नोटबंदी और अन्य फैसलों को भी असफल बताया और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि डीएमके, कांग्रेस और अन्य सहयोगी दल मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं और पूरी तरह एकजुट हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे इस गठबंधन को समर्थन दें। खड़गे ने कहा कि यह लड़ाई लोकतंत्र और समानता की रक्षा के लिए है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908